



संक्षिप्त

समाचार

महीने के पहले दिन शेयर मार्केट लहलुहान, 10 लाख करोड़ स्वाहा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सितंबर में शेयर बाजार में भारी बिकवाली रही और निवेशकों को लाखों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। माना जा रहा था कि अक्टूबर का महीना निवेशकों के लिए खुशियां लेकर आएगा क्योंकि ऐतिहासिक रूप से यह महीना शेयर बाजार के लिए अच्छा रहा है। लेकिन महीने के पहले ही दिन निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये का झटका लगा। संसेक्स और निफ्टी दोनों में 1.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। लगातार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और अन्य कारणों से निवेशक डरे हुए थे।



बीएसई संसेक्स करीब 1,100 अंक गिरकर 71,400 के नीचे आ गया, जबकि निफ्टी 50 में करीब 400 अंक की गिरावट आई और यह 22,300 के नीचे चला गया। इस भारी बिकवाली के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप लगभग 10 लाख करोड़ रुपये कम होकर 462 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया।

किन शेयरों में आई गिरावट?

आज एमएडएम, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एचयूएल और बीईएल के शेयरों में 3-4 प्रतिशत की गिरावट आई और ये संसेक्स में सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयर रहे।

2008 अहमदाबाद धमाके

इंडियन मुजाहिदीन के सदस्य की फांसी पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 2008 के अहमदाबाद बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य की मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अहमद बावा उर्फ अबू अहुबकर बरलेवी की याचिका पर गुजरात सरकार को नॉटिस जारी



किया है। बावा ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें निचली अदालत द्वारा उसे सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। शीर्ष अदालत ने मामले में निचली अदालत का रिकॉर्ड भी तलब किया है।

38 दिव्यों की मौत की सजा बरकरार रखी थी हाईकोर्ट ने - 7 जुलाई को गुजरात हाईकोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों को सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। अदालत ने बड़ी संख्या में लोगों की मौत, हमले की साजिश रचने और आतंक फैलाने का दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी।

यूपीएससी पर भरोसा अटूट है

पीएम मोदी शताब्दी समारोह में बोले, आईएस-आईपीएस बनाने वाली संस्था के 100 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अक्टूबर को सुबह 11 बजे नई दिल्ली के भारत मंडप में यूपीएससी के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। यूपीएससी के 100 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयोग की भूमिका और देश की प्रशासनिक व्यवस्था में उसके योगदान को रेखांकित किया। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे किए। इस अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडप



में दो दिवसीय शताब्दी समारोह 'मंथन' आयोजित किया गया। आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को हुई थी।

इस दौरान किताब, डक टिकट और सिक्का जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि इन 100 साल में पीएससी ने सिविल सेवाओं के लिए निष्पक्ष और योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयोग के शताब्दी समारोह में पारदर्शिता, तकनीक और भविष्य की प्रशासनिक चुनौतियों पर भी चर्चा हुई।

पीएससी के 100 साल लोगों के भरोसे का जश्न है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीएससी की शताब्दी सिर्फ आयोग की 100 साल की यात्रा का जश्न नहीं है, बल्कि यह उसकी विरासत और करोड़ों भारतीयों द्वारा संस्था पर जताए गए भरोसे का भी जश्न है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी, सरकार और परीक्षा प्रणालियों में बदलाव के बावजूद, आयोग ने लोगों का भरोसा बनाए रखा है। जनसेवा के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय हमेशा 2 सिद्धांतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। पहला है 'राष्ट्र प्रथम' और दूसरा है 'नागरिक प्रथम'। संघ लोक सेवा आयोग (पीएससी) ने 1 अक्टूबर 2026 को अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर लिए हैं। देश की प्रशासनिक व्यवस्था के लिए योग्य अधिकारियों का चयन करने वाली इस संस्था की शुरुआत 1926 में हुई थी।

पीएम मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में बताई पीएससी की भूमिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र-निर्माण में पीएससी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि आयोग ने कई पीढ़ियों के लोक सेवकों की पहचान करने और उन्हें तैयार करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उनके काम ने दशकों से भारत की विकास यात्रा में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि देश की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने दशकों में लगातार खुद को बदला है।

सीएम योगी बोले- बंद कमरे में टिप्पणी करना आसान

सुरक्षा हटा दें तो कुछ लोग मीठी बिल्ली बने नजर आएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत माफिया का बोलबाला था। समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक सार्नी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को



लोकभवन सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 इंटरसेक्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया।

बंद कमरे में बैठकर टिप्पणी करना बेहद आसान- मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति किताना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का किताना भी गुरूर हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

भालू के हमले में घायल महिला की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड नैनीडांडा के ढंगल गांव में बुधवार को भालू के हमले में गंभीर घायल हुई मंजू देवी (55) पत्नी होशियार सिंह की गमनगर के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरूवार को खाल्यूंडा स्थित वन चौकी में विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मृतका के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, हमलावर भालू को मारने, वन्यजीव संरक्षण कानून में संशोधन के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजने और वनकर्मियों को आधुनिक

उपकरण उपलब्ध कराकर गश्त बढ़ाने की मांग की। प्रधान कोमल देवी और कांग्रेस नेता खुबीर बिष्ट के नेतृत्व में ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि घटना के 16 घंटे बाद भी वन विभाग का सक्षम अधिकारी गांव नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि पूर्व में सीएम पोर्टल और क्षेत्रीय विधायक को भी मामले की जानकारी दी गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण राजेश बिष्ट ने बताया कि गुरूवार सुबह भी गांव में

पिंजरा लगा दिया गया है। क्षेत्र में गुलदार को पकड़ने के लिए भी पिंजरा लगाया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में 10 वनकर्मियों की टीम गश्त कर रही है। प्रदर्शनकारियों में शिशुपाल सिंह रावत, सतेंद्र सिंह बिष्ट, आलम सिंह, सूरज ध्यानी, कोमल देवी, सरोजनी देवी, विमला देवी, गंगोत्री देवी, बीना देवी, जशोदा देवी, अनीता देवी, आरती देवी, कविता देवी, सतेश्वरी देवी और संतोषी ध्यानी आदि शामिल रहे।

डीएफओ पहुंचे खाल्यूंडा वन चौकी कोटद्वार : भालू के हमले में महिला की मौत की सूचना मिलते ही गुरूवार शाम को गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ महातिम यादव भी खाल्यूंडा वन चौकी पहुंचे। यहां उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत करवाया। डीएफओ को क्षेत्र में बढ़ते वन्यजीव संघर्ष को लेकर लोगों का आक्रोश भी झेलना पड़ा। डीएफओ ने कहा कि हमलावर भालू को ट्रैकुलाइज करने या शूट करने के लिए मुख्यालय से अनुमति मांगी गई है। इसके लिए वन प्रभाग की ओर से पत्र भेजा गया है। डीएफओ ने कहा कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के निर्देश रेंज अधिकारी को दे दिए गए हैं। वन विभाग के साथ स्थानीय युवाओं की टीम भी गश्त में मदद करेगी। कांग्रेस नेता खुबीर बिष्ट ने उन्हें क्षेत्रवासियों की ओर से ज्ञापन सौंपा।

सारण और मुजफ्फरपुर में तट बंध टूटे; कई इलाके बाढ़ की चपेट में, नेशनल हाइवे तक पहुंचा पानी

बिहार में गंडक नदी उफान पर



प्रभावित थे। प्रभावित आबादी करीब 24,725 और लगभग 4,220 परिवार हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया है। प्रभावित पंचायतों में नाव की व्यवस्था- जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और वरीय पुलिस अधिकारी स्वयं प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि मकेर में तटबंध टूटने के बाद पानी तेजी से फैल रहा है। प्रभावित पंचायतों में नावें लगाई गई हैं और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि कल रात से ही प्रशासन की टीमों राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ की दो टीमां और एसडीआरएफ की एक टीम को लगाया गया है।

करीब 5,000 लोगों के भोजन की व्यवस्था- बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए जिले के विभिन्न प्रखंडों में सामुदायिक रसोई शुरू की गई हैं। बुधवार को 14 सामुदायिक रसोई के माध्यम से करीब 5,000 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई।

पटना (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में तटबंध क्षतिग्रस्त होने के बाद बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। मकेर प्रखंड में तटबंध टूटने से बड़ी मात्रा में पानी फैल गया है। इससे मकेर प्रखंड की सभी पंचायतें और अमनौर प्रखंड की कुछ पंचायतें प्रभावित हुई हैं। पानी का तेज बहाव परसा प्रखंड की ओर भी हो रहा है। वहीं, बाढ़ का पानी कुछ स्थानों पर एनएच-722 पर चढ़ जाने से आवागमन और संपर्कता प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, जिले की 18 पंचायतों के 48 गांव बाढ़ से

यूपी के 14 शहरों में बाढ़, स्कूल-मंदिरों में घुसा पानी: लखनऊ के कई इलाके जलमग्न



आबादी बाढ़ में फंसी हुई है। गलियों में नावें चलाई जा रही हैं। वहीं, बाढ़ के पानी में डूबने से 2 युवकों की मौत हो गई। उज्ञाव में भी बाढ़ के तेज बहाव में सड़क बह गई है। राजस्थान : राज्य में दिन में तेज गर्मी, रात में ठंडक- राजस्थान में इस मानसून सीजन करीब 22 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड हुई। कम बरसात के कारण अक्टूबर में भी दिन में तेज गर्मी महसूस हो रही है। प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहा। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंडक रही। शेखावाटी क्षेत्र के अलावा उदयपुर, सिराही में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस या उसके करीब रहा।

गोंडा में 30 गांव टापू बने

यूपी में बारिश थमने के बावजूद नदियां उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। लखनऊ में सई और गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। सड़कें जलमग्न हो गई हैं। बाराबंकी में पानी सरकारी स्कूलों और मंदिरों तक में घुस गया है। गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान से 26 सेंमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। रास्ते पूरी तरह डूब चुके हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी हुई है। गलियों में नावें चलाई जा रही हैं। वहीं, बाढ़ के पानी में डूबने से 2 युवकों की मौत हो गई। उज्ञाव में भी बाढ़ के तेज बहाव में सड़क बह गई है। राजस्थान : राज्य में दिन में तेज गर्मी, रात में ठंडक- राजस्थान में इस मानसून सीजन करीब 22 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड हुई। कम बरसात के कारण अक्टूबर में भी दिन में तेज गर्मी महसूस हो रही है। प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ रहा। दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंडक रही। शेखावाटी क्षेत्र के अलावा उदयपुर, सिराही में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस या उसके करीब रहा।

6 महीने होते ही भारत उड़ाएगा पूरी दुनिया की नौद

होमी भाभा के सपनों का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर मार्च तक पूर्ण होने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अगले छह महीने में 500 मेगावाट (एमडब्ल्यू) वाला प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) पूरा हो जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह रिएक्टर डॉ. होमी जहांगीर भाभा के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम का मुख्य हिस्सा है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह इस्तेमाल होने वाले परमाणु ईंधन से ज्यादा इस्तेमाल करने लायक परमाणु ईंधन बनाता है। इससे भारत के थोरियम के विशाल भंडार का लंबे समय तक इस्तेमाल करने का रास्ता खुलता है। भारत के 'नेट जीरो 2070' के लक्ष्य को हासिल करने में यह



प्रोजेक्ट बेहद मददगार हो सकता है। 500 एमडब्ल्यू पीएफबीआर रिएक्टर मार्च, 2027 तक पूरा होने की उम्मीद- भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने बताया है कि तमिलनाडु के कलपक्कम में इस 500 एमडब्ल्यू

का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। इंडिया टुडे ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) एप्लीकेशन के तहत मिले जवाबों के आधार पर यह जानकारी दी है।

आम पावर रिएक्टरों से अलग ये परमाणु रिएक्टर- BHAVINI के आरटीआई जवाब से पुष्टि होती है कि वह कलपक्कम में 500 एमडब्ल्यू के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को चालू कर रहा है। जवाब में कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट के मार्च 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह रिएक्टर भारत के तीन-चरण वाले न्यूक्लियर प्रोग्राम में एक अहम कदम है। आंतरिक इस्तेमाल लायक न्यूक्लियर पयूल बनाने की इसकी क्षमता इसे आम पावर रिएक्टरों से अलग बनाती है और थोरियम के इस्तेमाल की देश की लंबी अवधि की योजनाओं में मदद करती है। 500 एमडब्ल्यू के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर परमाणु रिएक्टर डॉ. होमी जहांगीर भाभा के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम का हिस्सा है।

भारत-पाकिस्तान में होगा एशियन गेम्स का फाइनल



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स के फाइनल में जगह बना ली है। अब शनिवार को गोल्ड के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह पहला मौका है जब ये दोनों टीमों एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हाकी में भारत ने आखिरी मिनट में गोलकर पाकिस्तान को हराया

भारत ने बेहद रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को 4-3 से हराकर एशियन गेम्स में हॉकी के फाइनल में जगह बना ली है। अभिषेक ने मैच के आखिरी मिनट में गोल कर भारत को जीत दिलाई। गोल्ड मेडल के लिए 3 अक्टूबर को भारत का सामना कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

संपादकीय

170 जिंदगियां का रक्षक

जमीन से सैकड़ों फीट ऊपर उड़ रहे विमान के कॉकपिट में पायलटो के बीच कोई भी हरकत सैकड़ों यात्रियों की जान पर भारी पड़ सकती है। एक दूसरे पर विश्वास ही पायलेट्स का मूल मंत्र होता है लेकिन आसमान पर एक ऐसी घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विमान केवल एक परिवहन साधन नहीं होता, बल्कि उसमें सवार प्रत्येक यात्री अपने जीवन की सुरक्षा का भरोसा पायलट के हाथों में सौंपता है। हाल ही में फ्लाईदुबई की एक उड़ान में घटी घटना ने इस भरोसे को और मजबूत किया है। भारतीय मूल के कैप्टन स्मित मच्छर ने जिस साहस, संयम और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया, वह उन्हें आधुनिक समय के वास्तविक नायकों की श्रेणी में खड़ा करता है। दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कथित रूप से सह-पायलट ने कॉकपिट के भीतर कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला कर दिया। रिपोर्टों के अनुसार हमले के दौरान विमान ने अचानक खतरनाक तरीके से उँचाई खोनी शुरू कर दी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छर ने हिम्मत नहीं हारी और स्थिति को संभालने का प्रयास जारी रखा। कैप्टन मच्छर ने घायल अवस्था में भी कॉकपिट का दरवाजा खोलने और अन्य लोगों को हस्तक्षेप का दिया। इसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने मिलकर हमलावर को काबू में किया, जिससे एक संभावित बड़ी त्रासदी टल गई। विमान में सवार 170 से अधिक यात्रियों की जान सुरक्षित बच गई।यह घटना केवल एक व्यक्ति की बहादुरी की कहानी नहीं है, बल्कि यह पेशेवर जिम्मेदारी और मानवता के प्रति समर्पण का भी उदाहरण है। जब स्वयं का जीवन खतरे में हो, तब दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना असाधारण साहस की मांग करता है। उन्होंने यह दिखा दिया कि एक सच्चा पायलट केवल विमान नहीं उड़ाता, बल्कि संकट की घड़ी में सैकड़ों परिवारों की उम्मीदों और जीवन की रक्षा भी करता है। दुनिया भर में तकनीक चाहे कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, अंततः संकट की घड़ी में मानव साहस, प्रशिक्षण और त्वरित निर्णय ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच साबित होते हैं। कैप्टन मच्छर का साहस इसी सत्य की पुष्टि करता है। कैप्टन स्मित मच्छर की कहानी नई पीढ़ी को यह संदेश देती है कि कर्तव्य के प्रति समर्पण और संकट में धैर्य किसी भी व्यक्ति को असाधारण बना सकता है। उनका यह साहसिक कार्य लंबे समय तक याद रखा जाएगा और आने वाले वर्षों में विमानन इतिहास के प्रेरणादायक अध्यायों में शामिल रहेगा। कैप्टन स्मित मच्छर ने यह सिद्ध कर दिया कि वीरता केवल युद्ध के मैदान में नहीं दिखाई जाती, बल्कि कहीं भी कभी भी परिस्थितियों से लड़ते हुवे दिखाई जा सकती है।



सनत जैन

हर्षद मेहता जैसा घोटाला ? भारतीय शेयर बाजार इन दिनों अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। शेयर बाजार के निवेशकों को 8 सप्ताह के अंदर लगभग 45 लाख करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। यह कोई छोटा-मोटा नुकसान नहीं है। दिसंबर में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का कारोबार 86159 के सूचकांक पर हो रहा था। 1



रवामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

आज दुनिया विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति के जिस दौर में पहुंची है, उसी के समानांतर हिंसा, आतंकवाद, युद्ध, तनाव, असहिष्णुता और प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्तियां भी बढ़ी हैं। मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाने की कोशिश में स्वयं अपने भीतर अशांति पैदा कर ली है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास है, समाजों में वैचारिक टकराव है, परिवारों में तनाव है और व्यक्तिगत जीवन में भी क्रोध, प्रतिशोध एवं प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में अहिंसा केवल एक नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि संतुलित जीवन और शांतिपूर्ण विश्व-व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस इसी आवश्यकता की वैश्विक स्वीकृति है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया था। प्रस्ताव में अहिंसा की सार्वभौमिक प्रासंगिकता तथा शांति, सहिष्णुता, समझ और अहिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। अहिंसा जीवन का सौंदर्य है। यह केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाने का नाम नहीं है। अहिंसा मन, वचन और कर्म की निर्मलता है। किसी के प्रति घृणा न रखना, अपमानजनक भाषा से बचना, विचारों में कटुता न पालना और अपने व्यवहार से दूसरे के मन को अनावश्यक पीड़ा न देना भी अहिंसा है। इसलिए अहिंसा संतुलित जीवन का आधार है। जहां हिंसा है वहां भय है, जहां भय है वहां तनाव है और जहां तनाव है वहां सुख एवं शांति का स्थायी निवास संभव नहीं। अहिंसा की सबसे व्यापक और सूक्ष्म व्याख्या जैन दर्शन में मिलती है। भगवान महावीर ने अहिंसा को जीवन का

शेयर बाजार में निवेशकों के 8 सप्ताह में डूबे 45 लाख करोड़

अक्टूबर 2026 को यह गिरकर 71328 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह में 26373 पर कारोबार कर रहा था। जो अब घटकर 22337 पर आ गया है। शेयर बाजार में लगातार उथल-पुथल मची हुई है। पिछले 8 सप्ताह में जिस तरह से शेयर बाजार में निकासी का दौर शुरू हो गया है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार छोड़कर भाग रहे हैं। रिजर्व बैंक और सेबी की जो नई नीतियां बनी है, उसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। भारतीय शेयर बाजार को सट्टे बाजार की तरह संचालित किए जाने से निवेशको का भरोसा अब शेयर बाजार में नहीं रहा। रही-सही कसर रिजर्व बैंक ने पूरी कर दी है। जब उसने प्रवासी भारतीयों से ऊंची ब्याज दर पर डॉलर में निवेश करने और डॉलर में ही ब्याज देने का प्रावधान किया। उसके बाद से स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने लगे हैं, 1992 जैसे हालत 2026 में देखने को मिल रहे हैं। 1992 में जब हर्षद मेहता घोटाला सामने आया था। हर्षद मेहता के रंक

से राजा और राजा से रंक बनने की कहानी को आसानी से समझा जा सकता है। 1992 में शेयर बाजार में मात्र 4025 रुपए करोड़ रुपए का घोटाला हुआ था। जिसने शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव को हिला कर रख दिया था। उस समय भी भारतीय वित्तीय संस्थानों और बैंकों को भारी नुकसान हुआ था। यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया जैसी कंपनी पूरी तरह से बैठ गई थी। चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल बन गया था। उस समय हर्षद मेहता ने एक करोड़ रुपए की रिश्तत तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहराव को देने की पेशकश की थी। इस पर बड़ा बवाल मचा था। 1992 के शेयर घोटाले के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को संभलने में कई वर्ष लगे। 2014 के बाद से जिस तरह से सेबी और रिजर्व बैंक समय-समय पर जो नियम कानून बना रहे हैं। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा आर्थिक मामलों में जो निर्णय लिए जा रहे हैं। उसके बारे में अब कहा जा रहा है, शेयर बाजार और भारतीय कंपनियों के माध्यम से लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले पिछले 12 वर्षों में हुए हैं। शेयर बाजार से

सारा पैसा मुनाफाखोरी और घोटालेबाजी के कारण निकल चुका है। यह पैसा भारतीय शेयर बाजार से निकलकर विदेशों में निवेश हो गया है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कंपनियों में भारी निवेश किया है। शेयर बाजार के माध्यम से भारी आर्थिक गड़बड़ियां की गई हैं। पिछले दो वर्षों में जिस तरह के हालात शेयर बाजार के बने हुए हैं। उसने शेयर बाजार की आंतरिक स्थिति को और भी खराब कर दिया है। विशेष रूप से ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। डालर के मुकाबले रुपया की कीमत तेजी के साथ कम हुई है। राजकोषीय घाटा बढ़ता ही जा रहा है। आयात और निर्यात के बीच का अंतर भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। पिछले दो सप्ताह में शेयर बाजार से लगभग 45 लाख करोड़ रुपया निवेशकों का नुकसान के रूप में सामने आया है। ऐसी स्थिति में आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, भारत की अर्थव्यवस्था स्वतंत्रता के बाद से सबसे खराब दौर में पहुंच गई है।

अहिंसा है जीवन का सौन्दर्य एवं सृष्टि का आधार

सर्वोच्च धर्म बनाया। जैन दर्शन में अहिंसा केवल मनुष्य को मनुष्य से बचाने का सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के अस्तित्व के सम्मान का दर्शन है। यही कारण है कि जैन साधु-साध्वियों का जीवन अहिंसा की प्रयोगशाला जैसा दिखाई देता है। जैन साधु चलते हैं तो अत्यंत सावधानी से कदम रखते हैं। वे अपने आगे के स्थान को कोमल रजोहरण से साफ करते हैं, ताकि सूक्ष्म जीवों को भी अनावश्यक चोट न पहुंचे। श्वेतांबर परंपरा में मुखवस्त्रिका का प्रयोग भी सूक्ष्म जीवों के प्रति सावधानी की इसी भावना से जुड़ा है। जैन मुनियों के आचार में चलने, बोलने, वस्तु उठाने-रखने और भोजन ग्रहण करने तक में सजता का विशेष महत्व है। यहां अहिंसा का अर्थ केवल बाहरी हिंसा से बचना नहीं, बल्कि सजग होकर जीना है। जैन आचार में रात्रि-भोजन से बचने, भोजन और जल को जीवों की रक्षा की दृष्टि से सावधानीपूर्वक ग्रहण करने जैसी परंपराएं भी इसी सूक्ष्म अहिंसक चेतना से जुड़ी हैं। जैन साधु का जीवन हमें एक बहुत बड़ा संदेश देता है- जिस जीवन में छोटी-से-छोटी हिंसा के प्रति भी संवेदना है, उसमें बड़ी हिंसा के लिए स्थान कैसे हो सकता है? यही अहिंसा का विराट दर्शन है। भगवान महावीर की अहिंसा की विशेषता यह है कि वह केवल हाथ की हिंसा को नहीं रोकती, बल्कि वाणी और विचार की हिंसा को भी चुनौती देती है। कटु शब्द किसी व्यक्ति के शरीर को घायल नहीं करते, लेकिन उसके मन को गहरी चोट पहुंचा सकते हैं। इसलिए अहिंसा का वास्तविक विस्तार तभी होगा जब हम अपनी भाषा को भी करुणामय बनाएं। हमारा व्यवहार ऐसा हो कि हमारे संपर्क में आने वाला व्यक्ति अपने भीतर अपमान, भय या कड़वाहट महसूस न करे। आज सोशल मीडिया के दौर में यह शिक्षा और भी महत्वपूर्ण है। एक कठोर शब्द, एक अपमानजनक टिप्पणी या एक झूठी सूचना हजारों लोगों के मन में तनाव और घृणा पैदा कर सकती है। इसलिए डिजिटल युग में अहिंसक वाणी और अहिंसक संचार की जरूरत पहले से अधिक है। यदि भगवान महावीर ने अहिंसा को आध्यात्मिक और जीवन-दर्शन के रूप में अत्यंत सूक्ष्मता प्रदान की, तो महात्मा गांधी ने उसे सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रयावी साधन बनाया। गांधी ने सत्य और अहिंसा को स्वतंत्रता संघर्ष के केन्द्र में रखा। नमक सत्याग्रह सहित उनके आंदोलनों ने यह दिखाया कि

अन्याय का प्रतिरोध हिंसा के बिना भी किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र भी गांधी की अहिंसा के दर्शन और रणनीति के प्रमुख प्रवर्तकों में मानता है और उनके नेतृत्व को विश्वभर के अहिंसक आंदोलनों की प्रेरणा से जोड़ता है। गांधी की अहिंसा कायरता नहीं थी। वह अन्याय के सामने चुप रहने का नाम भी नहीं थी। वह सत्य के साथ खड़े होकर अन्याय का प्रतिरोध करने की शक्ति थी। गांधी के लिए साधन और साध्य का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण था-शांतिपूर्ण समाज की स्थापना हिंसक साधनों से नहीं की जा सकती। संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज भी गांधी के विचारों को इसी संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं कि स्थायी परिवर्तन के लिए अहिंसक साधनों की आवश्यकता है। आज युद्ध और आतंकवाद ने मानवता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। राष्ट्रों के पास विनाश के पहले से अधिक शक्तिशाली साधन हैं। तकनीक ने युद्ध की क्षमता को कई गुना बढ़ा दिया है। ऐसे समय में अहिंसा का अर्थ यह नहीं कि समाज अपनी सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी छोड़ दे। आतंकवाद और हिंसा का सामना करते हुए राष्ट्रों को नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी ही होती है। लेकिन दीर्घकालीन शांति केवल शक्ति-संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास, न्याय, सह-अस्तित्व और मानवीय संवेदना से निर्मित होती है। भारत की सभ्यता ने सदियों से वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः, अनेकांत और सर्वधर्म सद्भाव जैसी अवधारणाओं के माध्यम से इसी व्यापक दृष्टि को पोषित किया है। ये विचार हमें बताते हैं कि दूसरे की दृष्टि को समझे बिना स्थायी शांति संभव नहीं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी शांति और संवाद की आवश्यकता को लगातार रेखांकित किया है। भारत के वर्तमान नेतृत्व ने भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और मानव-केन्द्रित विकास जैसे विचारों को सामने रखा है। लेकिन अहिंसा का वैश्विक संदेश केवल सरकारों या राजनेताओं का दायित्व नहीं है। इसकी शुरुआत व्यक्ति से होती है- परिवार से, विद्यालय से, समाज से और हमारी रोजमर्रा की भाषा एवं व्यवहार से। आज मनुष्य को बाहर की हिंसा से जितना खतरा है, उतना ही भीतर की हिंसा से भी है। क्रोध, ईर्ष्या, अहंकार, लोभ और प्रतिशोध मनुष्य के भीतर निरंतर संघर्ष पैदा करते हैं। इसलिए अहिंसा का पहला प्रयोग अपने भीतर होना चाहिए। अपने क्रोध को

करुणा में, प्रतिस्पर्धा को सहयोग में, प्रतिशोध को क्षमा में और असहमति को संवाद में बदलना ही आधुनिक अहिंसा है। परिवार में अहिंसा का अर्थ है-एक-दूसरे को समझना। समाज में अहिंसा का अर्थ है-विविधताओं का सम्मान करना। राजनीति में अहिंसा का अर्थ है-विचारों के संघर्ष को शत्रुता में न बदलना। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अहिंसा का अर्थ है-संवाद और कूटनीति के रास्ते सुलझे रखना। अहिंसा कमजोरी नहीं, संयमित शक्ति है। हिंसा तत्काल परिणाम दे सकती है, लेकिन स्थायी शांति का निर्माण नहीं कर सकती। संयुक्त राष्ट्र ने भी गांधी के संदर्भ में इस विचार को रेखांकित किया है कि हिंसा पर स्थायी निर्माण संभव नहीं है। आज जब दुनिया हिंसा की बढ़ती प्रवृत्तियों से चिंतित है, तब भारत की धरती से एक बार फिर यह संदेश मुखर होना चाहिए-अहिंसा केवल भारत की विरासत नहीं, संपूर्ण मानवता का भविष्य है। महावीर की करुणा और गांधी के सत्यग्रह की रोशनी में यदि मनुष्य अपने विचार, वाणी और व्यवहार को बदल सके, तो युद्ध की मानसिकता के स्थान पर संवाद, घृणा के स्थान पर मैत्री और संघर्ष के स्थान पर सह-अस्तित्व की नई विश्व-संरचना संभव है। यही अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस की सार्थकता है और यही मानवता के शांत, संतुलित एवं सुंदर भविष्य की दिशा भी। अहिंसा के इस व्यापक संदेश को समाज के बीच जीवंत बनाने में महावीरायतन फाउंडेशन की भूमिका भी उल्लेखनीय है। महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा अहिंसा, करुणा, शाकाहार, जीव-दया, पर्यावरण-संरक्षण, प्राणीपूज्य के प्रति संवेदना तथा मानवीय मूल्यों को केन्द्र में रखकर विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक प्रवृत्तियों पर संवर्धित की जाती हैं और संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं संवाद-कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा-दर्शन को समकालीन जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। भरे गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने भी अपने संपूर्ण जीवन से अहिंसक, संयमित और करुणमय जीवनशैली की प्रेरणा दी। आज आवश्यकता है कि महावीर की सूक्ष्म अहिंसा, गांधी के अहिंसा दर्शन और आचार्य विद्यासागर जी महाराज की जीवन-साधना से प्रेरणा लेकर अहिंसा को व्यक्तिगत आचरण से सामाजिक संस्कार और सामाजिक संस्कार से वैश्विक जीवन-दृष्टि बनाया जाए।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी



ललित गर्ग

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाइड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले ह्याक्प्रॉम्प्ट इंजेक्शन और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत



स्वीकार की है। एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाइड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोक़ा, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बंटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत

सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हबूह नकल करके उसके परिजन से पैसे मागे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी। इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को ह्यूआई बंद करोहू नहीं, बल्कि ह्यूआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करोहू का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेर्रेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केन्द्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था। मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीकों को केवल उसके निमाताओं की सदृच्छ पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-वह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का संवेक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समझ रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

व्यापारी ने लगाया धमकी का आरोप, दीपक कुमार उर्फ मो. दीपक गिरफ्तार

तहरीर के आधार पर पुलिस

ने दर्ज किया मुकदमा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कुछ माह पूर्व एक दुकान का नाम बदलने को लेकर चर्चा में आए दीपक कुमार उर्फ मो. दीपक पर एक कपड़ा व्यापारी ने गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। व्यापारी को तहरीर पर पुलिस ने दीपक कुमार को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तारी की जानकारी के बाद व्यापारियों ने कार-रंवाई की मांग को लेकर आक्रोश रैली निकालते हुए कोतवाली परिसर में धरना दिया। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर के आश्वासन के बाद व्यापारियों ने धरना समाप्त किया।

नजीबाबाद के कलालान मोहल्ला निवासी संजीव टंक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार सुबह करीब साढ़े दस बजे वह अपनी दुकान के बाहर इरफान, अहसान, मोहनीश और असहद के साथ खड़े थे। इसी दौरान दीपक कुमार स्कूटी से वहां पहुंचा और कथित तौर पर हिंदू समाज को लेकर अपशब्द कहने लगा। संजीव टंक के अनुसार, विशेष



कोतवाली परिसर में धरने पर बैठे व्यापारी

करने पर दीपक ने उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। व्यापारी ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद वह भयभीत

हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ माह पूर्व उनका हृदय संबंधी ऑपरेशन हुआ है और उन्हें दीपक से अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा महसूस

वृद्धों को वितरित की हाईजीन किट

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा गुरुवार मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मेघना असवाल की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर आशियाना राधारानी वृद्धाश्रम जयहरीखाल में विशेषज्ञ चिकित्सा शिविर के आयोजन के साथ ही राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शिविर में वृद्धाश्रम में मौजूद वृद्ध जनों को हाईजीन किट वितरित की गई। इस दौरान 46 लोगों की जांच की गई। साथ ही 14

संक्षिप्त समाचार

पुण्यतिथि पर वीर चंद्र सिंह गढ़वाली को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पेशावर कांड के महानायक, स्वतंत्रता सेनानी वीर चंद्र सिंह गढ़वाली की 47वीं पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर फूल-मालाएं अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। विकासखंड कलजीखाल के अंतर्गत कांसखेत-धनपुर थार स्थित स्वतंत्रता सेनानी वीर चंद्र सिंह गढ़वाली स्मारक पर उनकी 47वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि देश के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इससे पूर्व वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय महिलाओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर स्मारक स्थल पर साफ-सफाई की। इस मौके पर क्षेत्र के समाजसेवी एवं पीएलवी जगमोहन डांगी ने राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर बुजुर्गों का सम्मान करते हुए उन्हें कानूनी सहायता एवं भरण-पोषण से संबंधित विधिक जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व डाकपाल मंगत राम कुकरेती, वरिष्ठ नागरिक रघुनंदन नैथानी, सुरेन्द्र सिंह रावत, चित्र सिंह रावत, विजय सिंह रावत, देवेश्वरी देवी, आशा रावत, धृपा रावत, मधु रावत, पावती कुकरेती, आशा देवी, ऋतु कंडारी आदि मौजूद थे। गांधी का संचालन विजय नैथानी ने किया।

रामलीला मंचन 11 अक्टूबर से

श्रीनगर गढ़वाल : आदर्श रामलीला समिति की ओर से आयोजित श्रीनगर की ऐतिहासिक रामलीला का मंचन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। इस बार भगवान राम की 127वीं लीला का मंचन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं और कलाकार अपने-अपने पात्रों को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए र्हिंसल में जुटे हैं। समिति के अध्यक्ष देवेंद्रमणि मिश्रा ने बताया कि 11 अक्तूबर को हर वर्ष की तरह कमलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में ताड़का वध की लीला के साथ रामलीला का शुभारंभ होगा। इस बार भगवान राम की बरात को भी भव्य रूप देने की तैयारी है। राम बरात कमलेश्वर महादेव मंदिर से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए रामलीला मैदान पहुंचेगी। बरात में ऋषिकेश से बुलाया गया मशहूर बैड विशेष आकर्षण रहेगा। इधर, रामलीला के विभिन्न प्रसंगों के लिए पुतले तैयार करने वाले कारीगर भी बुहस्पतिवार को श्रीनगर पहुंच गए हैं। (एजेंसी)

बैकुंठ चतुर्दशी मेले की तैयारियां तेज

श्रीनगर गढ़वाल : बैकुंठ चतुर्दशी मेले को लेकर महिला स्वयं सहायता समूहों ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में स्टॉल लगाकर अपने उत्पादों की बिक्री करने के लिए समूहों की महिलाएं अभी से घरेलू और हस्तनिर्मित सामान तैयार करने में जुट गई हैं। क्षेत्र में करीब 39 महिला स्वयं सहायता समूह अलग-अलग गतिविधियों से जुड़े हैं। इनमें नागेश्वर, भागीरथी, अलकनंदा, मां नंदा, मां धारी, ज्वाल्पा और शिवशक्ति समेत कई समूह शामिल हैं। इन समूहों की महिलाएं पापड़, अचार, नमकीन, मटरी सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों के अलावा बुनाई, पेंटिंग और अन्य हस्तनिर्मित सामान भी तैयार करती हैं। अब बैकुंठ चतुर्दशी मेले को देखते हुए समूहों की महिलाएं स्टॉलों के लिए सामान तैयार करने में जुटी हैं। ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर सनी शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में करीब 39 महिला स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं। बैकुंठ चतुर्दशी मेले को लेकर कई समूहों की महिलाएं स्टॉल लगाने और अपने उत्पादों की बिक्री की तैयारी कर रही हैं। (एजेंसी)

भाषण में दित्या, पोस्टर में अमीषा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े के तहत न्यामि गंगे, राष्ट्रीय सेवा योजना, अंग्रेजी एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भाषण और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषण प्रतियोगिता में दित्या, पोस्टर प्रतियोगिता में अमीषा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी विभाग के संयोजन में हुई भाषण प्रतियोगिता में दित्या बीएससी, तृतीय सेमेस्टर ने प्रथम, सांन्या बीएससी प्रथम सेमेस्टर ने द्वितीय और वैशाली बीए, प्रथम सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता

में बीएससी तृतीय सेमेस्टर की अमीषा प्रथम, किरण द्वितीय और अनिल सिंह तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरिओम रावत ने किया। निर्णांक मंडल में डॉ. रोशनी अस्वाल, डॉ. बचन सिंह बिष्ट और डॉ. प्रदीप कुमार शामिल रहे। अंग्रेजी विभाग के डॉ. निरेश चंद्र आर्य ने प्रतियोगिता के आयोजन एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. बचन सिंह बिष्ट ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भी जताई चिंता

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि दीपक कुमार की ओर से सोशल मीडिया पर हिंदू समाज को लेकर विवादित पोस्ट किए जाते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि इस तरह की पोस्ट से शहर का माहौल प्रभावित हो सकता है। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर ने बताया कि पुलिस दीपक कुमार के सोशल मीडिया अकाउंट पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी उससे विवादित पोस्ट हटवाए गए हैं। मामले में पुलिस की ओर से नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

दुकान के नाम को लेकर पहले भी आया था चर्चा में

दीपक कुमार उर्फ मो. दीपक कुछ माह पूर्व पटेल मार्ग स्थित एक दुकान के नाम को लेकर हुए विवाद के बाद चर्चा में आया था। बताया गया था कि मुस्लिम समुदाय के एक व्यक्ति की दुकान के नाम को बदलने की मांग को लेकर कुछ युवक वहां पहुंचे थे। इसी दौरान दीपक कुमार संबंधित दुकानदार के पक्ष में सामने आया था। मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी भी हुई थी। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों ने स्थिति को संभाल लिया था। इसके बाद यह मामला सोशल मीडिया समेत विभिन्न माध्यमों में चर्चा में रहा। बाद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत अन्य लोगों की दीपक कुमार से मुलाकात की खबरें भी सामने आई थीं। राहुल गांधी के प्रस्तावित पौड़ी दौरे के दौरान कोटद्वार में दीपक के जिम जाने की भी चर्चा थी, हालांकि मौसम खराब होने के कारण उनका पौड़ी दौरा रह हो गया था।

हो रहा है। घटना की जानकारी व्यापार संघ को मिलने के बाद बड़ी संख्या में व्यापारी गंगादात जोशी मार्ग पर एकत्र हुए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए व्यापारी कोतवाली पहुंचे और परिसर में धरने पर बैठ गए। व्यापारियों ने आरोपी को खिलफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मामले की जानकारी मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर कोतवाली पहुंचे और व्यापारियों से वार्ता की। उन्होंने नियमानुसार कार-रंवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद व्यापारियों ने धरना समाप्त कर दिया।

बिलखेत में पहाड़ के नौनिहाल सीख रहे पैराग्लाइडिंग के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नयाराघाटी के बिलखेत में पहाड़ के नौनिहाल अब आसमान में उड़ान भरने के साथ पैराग्लाइडिंग की बारीकियां सीख रहे हैं। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) की ओर से आयोजित 30 दिवसीय पैराग्लाइडिंग अभ्यास शिविर का गुरुवार को लैंसडौन विधायक राजकुमार पोरि ने शुभारंभ किया।इस अवसर पर विधायक राजकुमार पोरि ने कहा कि बिलखेत क्षेत्र में एयरो स्पोर्ट्स की अपार संभावनाएं हैं। इन्हीं संभावनाओं को देखते हुए बिलखेत में राष्ट्रीय स्तर का पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की दिशा में कार्यवाही गतिमान है। उन्होंने कहा कि नयार नदी में एंगलिंग और बोटिंग समेत कई अन्य पर्यटन योजनाएं भी पाइपलाइन में हैं। विधायक ने कहा कि इन योजनाओं के धरातल पर उतरने से नयाराघाटी को पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सार्वहसिक पर्यटन को बढ़-

ावा देने से युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार से जुड़ने का अवसर मिलेगा। जिला पर्यटन विकास अधिकारी कमल किशोर जोशी ने बताया कि एक से 30 अक्टूबर तक चलने वाले शिविर में यूटीडीबी के पैराग्लाइडिंग विशेषज्ञ बलवंत कपकोटी के निर्देशन में प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उड़ान भरने से लेकर लैंडिंग तक की तकनीक और पैराग्लाइडिंग की बारीकियां सिखाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षणार्थी ढाढ़ूखाल से टेकऑफ कर बिलखेत से सटे मैदान में लैंडिंग का अभ्यास करेंगे। शिविर में टिहरी, भीमताल, देहरादून समेत प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए करीब 20 प्रशिक्षणार्थी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर पैराग्लाइडिंग विशेषज्ञ विक्रम सिंह नेगी, ग्राम प्रधान बिलखेत रश्मि देवी, ओम प्रकाश जुगराण, राकेश नौडियाल, संतोष डबराल समेत प्रशिक्षणार्थी और स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड पावर
कारपोरेशन लिमिटेड

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉर्पोरेट आईडीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त विद्युत ठेकेदारी 'ए' श्रेणी लाईसेंस प्राप्त (आयकर, जी०एसटी० व ई०पी०एफ० में पंजीकृत) एवं पंजीकृत ठेकेदारों से सुहरबन्ध निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरे जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 23.10.2026 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 22.10.2026 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रु०)
22 / 2026-27	रु० 500 / -	नि०वि० उपखण्ड द्वितीय कोटद्वार के अन्तर्गत बिजनी बडी अनुभाग के विभिन्न सीीनों पर जीर्ण-शीर्ण व क्षतिग्रस्त एबी केबिल को बदलने का कार्य	28000.00
23 / 2026-27	रु० 500 / -	नि०वि० उपखण्ड द्वितीय कोटद्वार के अन्तर्गत बिजनी बडी अनुभाग के विभिन्न स्थानों पर जीर्ण-शीर्ण व क्षतिग्रस्त पोलों को बदलने / मरम्मत का कार्य	18000.00

पत्रांक : 2776 / विखिको / टी-6

दिनांक : ०1.10.2026

अधिशासी अभियन्ता

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाए" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

युवक पर झपटा गुलदार, दहशत में जन



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग के कोटद्वार रेंज से सेटे सनेह क्षेत्र में गुलदार की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। रामपुर में बगीचे में गए युवक पर गुलदार ने झपट्टा मारने की कोशिश की। वहीं बिरानपुर-कुंभीचौड़ में आंगन में बैठे 60 वर्षीय व्यक्ति पर हमला कर घायल कर दिया। लगातार सामने आ रही घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत है। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में दो कैमरा ट्रैप लगाए हैं और रात्रि गश्त बढ़ा दी है।

रामपुर निवासी कमल रावत बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे बगीचे में टहल रहे थे। इसी दौरान गुलदार ने उन पर झपट्टा मारने की कोशिश की। दरांती से अपना बचाव कर वे शोर मचाते हुए घर की ओर दौड़ पड़े, जिससे हमले से बाल-बाल बच गए। इससे पहले भी गुलदार उनके कुत्ते पर तीन बार हमला कर चुका है। कमल रावत ने बताया कि गुलदार की दहशत के कारण उन्होंने घर व बगीचे में 12 सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं जिससे गुलदार की मूवमेंट पर नजर रखी जा सके। वहीं,

बिरानपुर-कुंभीचौड़ निवासी ललिता प्रसाद नौटियाल (60) बुधवार रात करीब आठ बजे घर के आंगन में बैठे थे। तभी गुलदार ने उन पर हमला कर दिया। शोर सुनकर परिजन बाहर आए तो गुलदार जंगल की ओर भाग गया। हमले में ललिता प्रसाद के हाथ और जांच पर खरोंच आई। परिजन उन्हें बेस अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। डीएफओ गौरव वर्मा ने बताया कि गुलदार अपने लिए क्षेत्र तलाश रहा है। गुलदार अभी शिकार करने में सक्षम नहीं है और भूख के कारण हमले कर रहा है। उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दो कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं और रात्रि गश्त बढ़ाई गई है। वहीं रिहायशी क्षेत्रों और स्कूलों के आसपास बाघ-गुलदार की बढ़ती सक्रियता को लेकर पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने वन मंत्री सुबोध उनियाल से फोन पर वार्ता की। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और अतिरिक्त पिंजरे लगाने की मांग की। उन्होंने वन मंत्री को बताया कि गुलदार ने सदानंद कॉलोनी-लालपानी में एक बछिया को मार डाला। वहीं कोटड़ीडांग इंटर कॉलेज के पास दोपहर करीब 2:30 बजे छुट्टी के समय सुस्धा दीवार पर गुलदार दिखाई दिया। इससे बच्चों में अफस-तफरी मच गई। शोर मचाने पर गुलदार जंगल की ओर चला गया। नेगी ने हाथियों से फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा भी वन मंत्री के सामने रखा। वन मंत्री ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आंगनबाड़ी केंद्र में

कैबिनेट मंत्री ने परखा

व्यवस्थाओं का हाल

नरेंद्र नगर। नरेंद्र नगर स्थित ओणों गांव में स्मार्ट आंगनबाड़ी केंद्र में आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण और बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र में मौजूद किशोरियों, माताओं और बच्चों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं, जरूरतों और सुझावों को जाना।

इस दौरान मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ बचपन ही प्रदेश के मजबूत और समृद्ध भविष्य की नींव है। आंगनवाड़ी केंद्र केवल बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा तक सीमित नहीं हैं बल्कि यह मातृ-शिशु स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और परिवारों के समग्र विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। राज्य व केंद्र सरकार का प्रयास है कि इन केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और बेहतर माहौल दिया जाए। इस अवसर पर गभर्वनियों के लिए गोद भराई की रस्म आयोजित की गई। साथ ही, महालक्ष्मी किट लाभार्थी सुष्मा, गंगा, रश्मा, मनीषा और किशोरी बालिका कोयना जैसी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को सामग्री वितरित की गई। उत्कृष्ट और समर्पित कार्यप्रणाली के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आरती देवी व सहायिका पुनम को सम्मानित भी किया गया। मंत्री रेखा आर्या ने ओणी गांव के इस स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की दिशा में एक मॉडल बताया। इस मौके पर जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय गौतम, एसडीएम आशीष घिल्डियाल, ग्राम प्रधान दीपक, स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

त्योहारों की तैयारियों

में जुटे व्यापारी

श्रीनगर गढ़वाल : श्राद्ध पक्ष के बीच व्यापारियों ने नवरात्र, दशहरा और करवाचौथ जैसे आगामी त्योहारों को लेकर बाजार में सुस्त कारोबार के बेहतर होने की उम्मीद में अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके तहत दुकानों पर नया सामान पहुंचना शुरू हो गया है। पूजा सामग्री विक्रेता मुकेश, तुलसी और बिजू ने बताया कि त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने की संभावना के चलते जयपुर और फिरोजाबाद जैसे स्थानों से नई डिजाइन की चूड़ियां, कंगन, श्रृंगार का अन्य सामान, मां के वस्त्र, चुनरियां और पर्याप्त पूजन सामग्री का स्टॉक मंगाया जा रहा है। साथ ही फल विक्रेता भी अतिरिक्त फलों की व्यवस्था कर रहे हैं, जिससे ग्राहकों की भीड़ बढ़ने पर बिक्री में सुधार हो सके और व्यापारी इस दौरान प्रशासन से यातायात व अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग की भी अपेक्षा कर रहे हैं। (एजेंसी)

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का अनुभव संगठन और समाज के लिए महत्वपूर्ण

भाजपा सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकोष्ठ की बैठक में सामाजिक भूमिका और संगठन विस्तार पर चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग और क्षेत्र के लोगों के हित में गंभीरता से कार्य कर रही है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों का लंबा सेवाकाल, अनुभव और अनुशासन संगठन के साथ ही समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है। उनके अनुभव का उपयोग सामाजिक सेवकों और सेवा कार्यों में किया जाना चाहिए। यह बात भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकोष्ठ की बैठक को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने अनुभव और सामाजिक सक्रियता के माध्यम से समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनके अनुभव को संगठनात्मक और सेवा गतिविधियों से जोड़कर विकसित भारत के संकल्प को



कार्यक्रम को संबोधित करते भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल।

मजबूती दी जा सकती है। राज गौरव नौटियाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की यात्रा के प्रतीक हैं। इसी भावना को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के लिए ‘सेवा

संकल्प अभियान’ के तहत विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश संयोजक रमेश स्मोला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक सेवा यात्रा में सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना प्रमुख

रही है। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से इस भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सह संयोजक हरीश नौटियाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जिला प्रकोष्ठ प्रभारी प्रमोद डोबरियाल ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकोष्ठ को जिला स्तर के साथ ही मंडल और बृथ स्तर तक सक्रिय बनाने के लिए निरंतर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनिल नवानी, जिला सह-प्रकोष्ठ प्रभारी प्रमोद बंसल, जिला उपाध्यक्ष मोहन सिंह नेगी, विजयानंद पोखरियाल, हरी सिंह पुंडीर, जिला महामंत्री सुरेंद्र आर्य, असीम राय, मनमोहन कोठारी, प्रकाश डबराल, भाष्कर नौटियाल समेत अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रों को दिलाई नशा मुक्त भारत की शपथ



पौड़ी : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूक किया गया। इसके साथ ही छात्रों को मानसिक तनाव से दूर रहने, अपने मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत रखने, संतुलित व पोषण युक्त भोजन करने एवं किसी प्रकार के नशे तंबाकू सिगरेट,शराब ड्रग्स आदि से दूर रहने की सलाह दी गई। इस दौरान छात्रों द्वारा नशा मुक्ति एवं अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए। इस मौके पर छात्र-छात्राओं को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष गुसाई ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नशे

से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं तथा नशे की रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने वृद्धजनों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा और पारिवारिक सहयोग को आवश्यक बताया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. फकीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक सेवकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नशामुक्त समाज के निर्माण तथा वृद्धजनों के सम्मान एवं सहयोग के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सेना के अधिकारियों ने किया बेस अस्पताल का निरीक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के बेस अस्पताल श्रीनगर को पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के पैनेल में शामिल करने की दिशा में कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में गुरुवार को रूद्रप्रयाग सेना कैंप से पहुंचे सेना के अधिकारियों की दो सदस्यीय टीम ने बेस अस्पताल का औचक निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

रुद्रप्रयाग सेना कैंप के कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) कर्नल हेमंत दत्त के नेतृत्व में पहुंची टीम ने बेस अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर (ओटी), ओपीडी कक्ष, सीटी स्कैन, एमआरआई सहित विभिन्न चिकित्सा विभागों और अन्य सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों, उपचार व्यवस्थाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों और मरीजों को दी

जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। बेस अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एनन पांडेय ने सेना के अधिकारियों को अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के बारे में बताया। बता दें कि श्रीनगर और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले पूर्व सैनिक लंबे समय से क्षेत्र में ईसीएचएस की सुविधा उपलब्ध करने की मांग कर रहे हैं। वर्तमान में कई पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को उपचार के लिए दूरस्थ शहरों में जाना पड़ता है, जिससे उन्हें समय और धन दोनों खर्च करने पड़ते हैं। ऐसे में यदि बेस अस्पताल श्रीनगर को ईसीएचएस के पैनेल में शामिल किया जाता है तो पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली और टिहरी सहित गढ़वाल के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। (एजेंसी)

एक नजर

पुरानी पेशन के लिए कर्मचारियों ने एनपीएस और यूपीएस की प्रतियां जलाई

उत्तरकाशी। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के आह्वान पर कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर रामलीला मैदान में प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली और एककीकृत पेंशन योजना की प्रतियां जलाकर विरोध जताया। संगठन ने मांगों का जल्द निस्तारण नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।संगठन के जिलाध्यक्ष जय प्रकाश बिजन्वाण के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारी रामलीला मैदान में एकत्र हुए। कर्मचारियों ने कहा कि उत्तराखंड में एक अक्टूबर 2005 से सरकारी कर्मचारियों पर लागू राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली का वे लगभग विरोध कर रहे हैं। अब एककीकृत पेंशन योजना को भी कर्मचारी स्वीकार नहीं कर रहे हैं। कहा कि उनकी मुख्य मांग पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना है।जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। उन्होंने सरकार से जल्द मांगों का निस्तारण करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो कर्मचारी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह बिष्ट, गोपाल सिंह राणा, वीरेंद्र सिंह, जयप्रकाश गौड़, वीरेंद्र सिंह नेगी, गिरिश उनियाल, अजू पंवार, अजय रावत आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में अल्पाइन स्कूल ने जीते पांच पदक

उत्तरकाशी। भारतीय शिक्षा बोर्ड की ओर से प्रयागराज स्थित ब्लू बेल स्कूल में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय खेल की राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में अल्पाइन पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। संगठन की योगासन टीम ने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के अंडर-17 बालक वर्ग में अश्वित नौटियाल ने पारंपरिक योगासन एकल में स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, कलात्मक योगासन एकल में उन्होंने रजत पदक जीता। अंडर-14 बालिका वर्ग में राधिका नौटियाल ने पारंपरिक योगासन एकल में रजत पदक प्राप्त किया। अंडर-14 बालक वर्ग में अंश पंवार और अरुण ने तलात्मक योगासन युगल में रजत पदक हासिल किया जबकि अंश पंवार और वैभव चौहान ने कलात्मक योगासन युगल में कांस्य पदक जीता।

इसके अलावा अंडर-17 बालिका वर्ग में जह्वी मट्टड़ा और खुशी उनियाल ने भी प्रतिभाग किया। अंडर-14 बालक वर्ग में अंश पंवार और वैभव चौहान तथा बालिका वर्ग में राधिका नौटियाल, समृद्धि नाथ और मानवी ने बेहतर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय की योगासन टीम ने अंडर-17 वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य मेजर आरएस जमनाल ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

10 सूत्री मांगों को लेकर मोरी प्रधान संगठन सख्त

पुरोला। उत्तराखंड ग्राम प्रधान संगठन की 10 सूत्री मांगों को लेकर मोरी विकासखंड के ग्राम प्रधानों ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। मांगों पर शासन स्तर से ठोस निर्णय नहीं होने से नाराज मोरी प्रधान संगठन ने दो अक्तर को प्रस्तावित ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) बैठक के पूर्ण बहिष्कार का एलान किया है।

इस संबंध में मोरी प्रधान संगठन के अध्यक्ष कैलाश प्रसाद डिमरी के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने खंड विकास अधिकारी, मोरी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेशभर के ग्राम प्रधान लंबे समय से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन अब तक शासन की ओर से मांगों के समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं हुई है। इससे ग्राम प्रधानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अध्यक्ष कैलाश प्रसाद डिमरी ने कहा कि जब तक सरकार ग्राम प्रधानों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक 2 अक्टूबर को होने वाली जीपीडीपी बैठक का बहिष्कार किया जाएगा।

युवाओं की सक्रियता और भागीदारी से बनेगा विकसित भारत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मेरा युवा भारत (माई भारत) के तहत आयोजित तीन दिवसीय फ्यूचर यूथ लीडर बूटकैप में युवाओं को भविष्य के सक्षम एवं जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करने, सामाजिक सहभागिता, कौशल विकास, सरकारी योजनाओं, राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कहा कि युवाओं की सक्रियता और भागीदारी से देश 2047 तक विकसित भारत बनेगा। विकसित भारत बनाने में हर युवा को अपना योगदान देना जरूरी है। गुरुवार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत, पौड़ी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय बूटकैप का समापन हुआ। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। बूटकैप में नगर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, ललिता राणा, डॉ. प्रभाकर बडोनी और स्वास्थ्य विभाग से शाशंक उनियाल ने युवाओं को नेतृत्व क्षमता, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। मेरा युवा भारत के जिला युवा अधिकारी आशीष पंत, डॉ. अरुण पाण्डे, एडीओ समाज कल्याण विभाग राहुल सिंह राणा, अजीम प्रेम जी फाउंडेशन के मुहम्मद



हासिल, पराज इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज के निदेशक डॉ. वीपी बलोदी, पुलिस उपनिरीक्षक हर्मांड डोबरियाल ने बतौर विशेषज्ञ युवाओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने तकनीकी नवाचार, सामाजिक बदलाव, सड़क सुरक्षा और जन-जागरूकता जैसे

क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डीटीओ पौड़ी डॉ. जीशान अली, टीबी समन्वयक सुबोध कुकशाल, नर्सिंग ऑफिसर नेहा पंवार, साइकोलॉजी काउंसलर दुर्गा नेगी आदि उपस्थित रहे।

विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 21 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 21 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री द्वारा पुलिस उपाधीक्षक बागेश्वर, चम्पावत, धारसूला, खटौया, रामनगर एवं श्रीनगर कार्यालयों में वीसी कक्षाओं के निर्माण हेतु 3.92 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा राज्य योजना के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र नैनीताल के शहीद संजय बिष्ट मोटर मार्ग के किमी. 04 से तिलोली तक मोटर मार्ग का सुधारीकरण किये जाने हेतु 3.20 करोड़, जनपद बागेश्वर के विधान सभा क्षेत्र बागेश्वर में देवलथार-माइथान लेट्टे-रिस्लेना मोटर मार्ग के अक्शेप (किमी. 07 से किमी.

11.500 तक) मोटर मार्ग का निर्माण किये जाने हेतु 1.67 करोड़ तथा जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत मोटना से झिवाली तक मोटर मार्ग का सुधारीकरण किये जाने हेतु 3.30 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद नैनीताल के अन्तर्गत अरआखी प्रथम बेलपुण्ड रामनगर (नैनीताल) वाहिनी परिसर में प्रशिक्षण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु टिहरीड का निर्माण किये जाने हेतु 77.32 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम क्रिस्त में 46.39 लाख, जनपद अस्मोडा के अन्तर्गत पुलिस लाइन अस्मोडा में टर्डी-द्वितीय के 16 एवं टर्डी-तृतीय के 06 आवासों के निर्माण हेतु 8.67 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर : राजकुमार पोरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग एवं मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वृद्धजन उपस्थित रहे। अतिथियों ने वृद्धजनों के अनुभव और मार्गदर्शन को समाज तथा युवा पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार पोरी ने वृद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि वृद्धजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन के अनुभव, ज्ञान और संस्कार आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजन हमारे परिवार के सुशाकवच होते हैं, उनके कारण ही घर में अनुशासन रहता है और ईश्वर का वास होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठजन, अपने जीवन के अनुभवों से परिवार और समाज को आगे बढ़ाते हैं। कार्यक्रम में सीडीओ अशोक जोशी, एसडीएम श्रुति गौरी प्रभात, नगर पालिका



अध्यक्ष हिमानी नेगी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वृद्धजनों के सम्मान, उनके अधिकारों एवं समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया

गया। कार्यक्रम में मेरा युवा भारत के जिला युवा अधिकारी आशीष पंत, स्वयं सेवी प्रियंका सवाल, अकिंत रावत, सचिन, शीतल, सिमरन रावत, सूरज रावत आदि उपस्थित रहे।

गैरसैन विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक

जिलाधिकारी ने दिए समयबद्ध

व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : आगामी प्रस्तावित गैरसैन विधानसभा सत्र को लेकर एनआईसी वीसी सभागार में तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं वैकल्पिक व्यवस्था, लोक निर्माण विभाग को सड़कों की मरम्मत एवं सफाई तथा पुलिस विभाग को सुरक्षा, यातायात, पार्किंग एवं बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक चिकित्सा टीम, एंबुलेंस एवं दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने रुद्रप्रयाग से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में



प्रतिभाग करते हुए संबंधित विभागों को सत्र के सफल, सुरक्षित एवं सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से

पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्र से संबंधित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते

हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाए तथा किसी भी स्तर पर कमी न रहे। जिलाधिकारी ने जल संस्थान को पेयजल भंडारण क्षमता बढ़ाने, पुलिस बैरक के लिए पृथक पेयजल लाइन की व्यवस्था सुनिश्चित करने, शहरी विकास विभाग एवं जिला पंचायत को पर्याप्त मोबाइल एवं स्थायी शौचालय, स्वच्छता एवं कूड़ा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित चिकित्सा, पेयजल, विद्युत, लोक निर्माण, ग्रामीण निर्माण, पुलिस, पूर्ति, शहरी विकास, जिला पंचायत एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने राज्य आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले राज्य आंदोलन के अमर शहीदों का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण में राज्य आंदोलनकारियों और अमर शहीदों का योगदान अविस्मरणीय है। उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को प्रदेशवासियों सदैव श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को अलग राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य आंदोलनकारियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया और अनेक आंदोलनकारियों ने अपना सर्वस्व

न्योछावर किया। उनके संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप ही उत्तराखण्ड राज्य का गठन हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की भावनाओं और आंदोलनकारियों के सपनों के मुजफ्फरनगर कांड (रामपुर तिराह) की बरसी की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण में राज्य आंदोलनकारियों और अमर शहीदों का योगदान अविस्मरणीय है। उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को प्रदेशवासियों सदैव श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को अलग राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य आंदोलनकारियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया और अनेक आंदोलनकारियों ने अपना सर्वस्व

न्योछावर किया। उनके संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप ही उत्तराखण्ड राज्य का गठन हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की भावनाओं और आंदोलनकारियों के सपनों के मुजफ्फरनगर कांड (रामपुर तिराह) की बरसी की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण में राज्य आंदोलनकारियों और अमर शहीदों का योगदान अविस्मरणीय है। उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को प्रदेशवासियों सदैव श्रद्धा और सम्मान के साथ याद करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को अलग राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य आंदोलनकारियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया और अनेक आंदोलनकारियों ने अपना सर्वस्व

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड में 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड में पहली बार 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु दी गई। साल 2024 में लागू हुए इच्छामृत्यु के नए नियम के बाद यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्री सोफी हरमन्स ने जून में बताया था कि 2025 के अंत में गंभीर बीमारी से पीड़ित एक बच्चे की इच्छामृत्यु दी गई थी। अब एक समीक्षा समिति की रिपोर्ट में इस मामले की विस्तृत जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे का जन्म 26 सप्ताह व तीन दिन की गर्भावस्था में हुआ था। समय से पहले जन्म के कारण उसे मौसतक को गंभीर नुकसान पहुंचा और कई संक्रमण हुए। बार महीने की उम्र में उसे सेप्सिस हुआ। आठ की उम्र में इन्फेक्टाइल एपिलेप्टिक स्प्यास्म सिंड्रोम का पता चला।

रूस में ट्रायल सफल, भारत के स्वदेशी कावेरी इंजन से उड़ेगा घातक स्टेल्थ ड्रोन

मास्को, एजेंसी। भारत के स्वदेशी कावेरी ड्राई इंजन ने रूस में अपने ज्यादा ऊंचाई और उड़ान के परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (जीटीआरई) की ओर से विकसित यह इंजन भारत के आगामी स्टेल्थ मानवरहित लड़ाकू विमान घातक में लगाया जाएगा। परीक्षाओं के दौरान इस इंजन ने 48.5 किलोन्यूटन (केपन) का उच्च ड्राई थ्रस्ट हासिल किया, जो इसके निर्धारित 46 केपन के लक्ष्य से काफी अधिक है। ये परीक्षण अत्यधिक ऊंचाई व कम दबाव जैसी परिस्थितियों में और मौड़िकाइड इल्यूशिन ब्रूड-76 विमान पर इंजन को माउंट करके किए गए। रूस में परीक्षण पूरे होने के बाद अब यह परियोजना भारत में सर्टिफिकेशन और इंटीग्रेशन के चरण में पहुंच गई है। यह सफलता भारत के धरोड़ जेट इंजन निर्माण की दिशा में एक अहम कदम है।

रूस में उड़ान भरते ही गिरा सेना का बमवर्षक विमान, छह की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्वी अमूर क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ा विमान हादसा हो गया। यहां एक नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान रूसी सेना का परमाणु क्षमता वाला बड़ा बमवर्षक विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम रूस का टीयू-95एमएस बमवर्षक विमान एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान टेक-ऑफ करने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें क्रू के सात सदस्यों में से छह की मौत हो गई, जबकि एक सदस्य सुरक्षित बच गया है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती सैन्य रिपोर्ट्स और स्थानीय मीडिया के अनुसार, उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान के इंजनों में आग लग गई या पयुल टैंक में विस्फोट हो गया, जिसके चलते विमान सीधे जमीन पर आ गिरा और आग के गोले में तब्दील हो गया। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह विमान नियमित सैन्य अभ्यास के लिए इस्तेमाल किया जाता है और हादसे के समय यह बिना किसी गोला-बारूद के उड़ान भर रहा था। यह दुर्घटना चीन की सीमा से लगे रूस के अमूर प्रांत में एक गांव के पास निर्जन इलाके में हुई। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इस फुटेज में विमान को आग की लपटों और काले धुएं के गुबार से घिरा हुआ देखा जा सकता है।

बलूचिस्तान में घर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हिंसा की एक और घटना सामने आई है। केच जिले के बुलेदा इलाके में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक घर पर रॉकेट लॉन्चर और गोलीबारी से हमला कर दिया। हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हमलावर जाते समय 12 वीं वीथी एक बच्चे को कथित तौर पर अगवा कर ले गए। बच्चे का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान (पेवआरसीडी) ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि केच के बुलेदा स्थित अलंदूर इलाके में एक घर को निशाना बनाकर यह हमला किया गया। संगठन के अनुसार, हमले में सरदार याह्या और आयशा की मौत हुई है, जबकि शायहक और शाहब घायल हुए हैं।

रिस्पॉन्सिबिलिटी' है। यह एडवॉर्ड एआई मॉडल बनाने वाली कंपनियों के लिए साझा उम्मीदें तय करता है।

अमेरिका में पहला पासपोर्ट बनवाना होगा आसान, 2026 से ऑनलाइन होगी पूरी प्रक्रिया

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी नागरिक जो अपना पहला पासपोर्ट बनवाना चाहते हैं, वे अगले साल से पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी कर सकेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यह घोषणा तब की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी सेवाओं के लिए एक सिंगल डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया। इस प्रस्तावित बदलाव से पहली बार आवेदन करने वालों के लिए पासपोर्ट स्वीकार करने वाली जगह, जैसे पोस्ट ऑफिस, लाइब्रेरी या लोकल सरकारी ऑफिस, पर जाने की मौजूदा जरूरत खत्म हो जाएगी।



रुबियो ने कहा, 'न फॉर्म प्रिंट करने की जरूरत, न ड्राफ्टर में जाकर फोटो खिंचवाने की मजबूरी, न अपॉइंटमेंट, न लाइन, और न ही किसी बिचौलिए को पैसे देने की जरूरत, जबकि यह सुविधा आपको आसानी से मिलनी चाहिए। आप 'अमेरिकाडॉटगॉव' को बताते हैं कि आप क्या करना चाहते हैं और यह आपको हर कदम पर गाइड करता है। प्रशासन ने ऑनलाइन पहली बार आवेदन करने की सुविधा शुरू होने की कोई सटीक तारीख नहीं बताई, बस इतना कहा कि यह सेवा अगले साल उपलब्ध हो जाएगी। ट्रंप ने एक एजेंसीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए, जिसके तहत 'अमेरिकाडॉटगॉव' को उन लोगों के लिए सेंट्रल ऑनलाइन

पॉइंट बनाया गया जो फेडरल जानकारी और सेवाएं चाहते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि पासपोर्ट रिन्यूअल और मेडिकेयर एनरोलमेंट की सुविधा इस साल के आखिर में 'अमेरिकाडॉटगॉव' पर उपलब्ध हो जाएगी। पहली बार पासपोर्ट के लिए आवेदन की सुविधा, रुबियो द्वारा घोषित स्टेट डिपार्टमेंट के अलग विस्तार के तहत आएगी। एजीक्यूटिव ऑर्डर में 'अमेरिकाडॉटगॉव' को फेडरल सरकार के लिए एक 'यूनिफाइड डिजिटल फ्रंट डोर' (एक ही जगह से सभी डिजिटल सेवाओं तक पहुंच) बताया गया। ऑर्डर में कहा गया, 'अमेरिकाडॉटगॉव सिर्फ एक और वेबसाइट, सर्च इंजन या सरकारी लिंक की डायरेक्टरी नहीं होगी।' इसमें कहा गया कि यूजर साइन इन कर सकेंगे, आसान भाषा में सवाल पूछ सकेंगे, जवाब पा सकेंगे और कानूनी तौर पर अधिकृत और तकनीकी रूप से उपलब्ध होने पर ट्रांजेक्शन पूरे कर सकेंगे। जलर सर्विसेज एडमिनिसट्रेशन, नेशनल डिजाइन स्टूडियो और ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) को यह प्लेटफॉर्म चलाने और इसे फेडरल सरकार की मौजूदा ऑथेंटिकेशन सर्विस, 'लॉगइनडॉटगॉव' से जोड़ने का निर्देश दिया गया था। यह आदेश उन ऑनलाइन फेडरल सेवाओं पर लागू होता है जिनका इस्तेमाल 12

महीने की अवधि में 1,000 से ज्यादा लोग करते हैं। इसमें इंटरनल रेवेन्यू सर्विस (आईआरएस) की टैक्स फाइलिंग और रक्षा व इंटेलिजेंस एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील सेवाओं को शामिल नहीं किया गया है। ओएमबी को इसे लागू करने के लिए गाइडेंस जारी करने के लिए 90 दिन का समय दिया गया था। इसके बाद एजेंसियों को योग्य सेवाओं की पहचान करनी होगी और अपने डिजिटल फॉर्म, डैशबोर्ड और एप्लिकेशन सिस्टम को 'अमेरिकाडॉटगॉव' से जोड़ना होगा। आदेश के अनुसार, प्लेटफॉर्म को डेटा कलेक्शन कम से कम रखना होगा, सुरक्षित ऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल करना होगा और सरकारी रिकॉर्ड पर एजेंसी का कंट्रोल बनाए रखना होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि लोगों को मौजूदा इन-पर्सन (आमने-सामने), टेलीफोन, डाक और एजेंसी-विशिष्ट सेवाओं का एक्सेस मिलता रहेगा चाहिए। पहली बार वयस्क पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वालों को अभी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ता है, अमेरिकी नागरिकता और पहचान का सबूत देना होता है, फोटो देनी होती है और जरूरी फीस जमा करनी होती है। मौजूदा पासपोर्ट को रिन्यू कराने पहले योग्य वयस्क यह प्रक्रिया पहले से ही ऑनलाइन पूरी कर सकते हैं।

अमेरिकी सैन्य अड़े के पास पांच गिरफ्तार, फिर जमानत पर रिहा; नहीं मिले विस्फोटक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में अमेरिकी वायुसेना के एक अड़े पर संदिग्ध बम साजिश की जांच जारी है। इस मामले में ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया और फिर उन्हें रिहा कर दिया। यह फैसला अचानक लिया गया। इसके बाद घटना को लेकर सवाल और अनिश्चितता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस पर हैरानी जताई। पांचों युवा ब्रिटिश पुरुष हैं। उन्हें रविवार को आरएफएफ फेयरफोर्ड अड़े के पास गिरफ्तार किया गया था। उन पर विस्फोटक और आतंकवाद से जुड़े आरोप हैं। लेकिन एक दिन बाद उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। ट्रंप ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं करता'। आरएफएफ फेयरफोर्ड का इस्तेमाल अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने दशकों से किया है। इन विमानों का इस्तेमाल पश्चिम एशिया के कई संघर्षों में हुआ है। इसमें इस साल ईरान के साथ हुआ युद्ध भी शामिल है। आतंकवाद रोधी जांचकर्ता मामले में 'कई पहलुओं' की जांच कर रहे हैं। इनमें यह भी शामिल है कि क्या संदिग्धों का ईरान से कोई संबंध था। ईरान ने इस मामले में किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया है। ब्रिटेन की आतंकवादी रोधी पुलिस के प्रमुख लॉरेंस टेलर ने अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पांचों संदिग्ध ब्रिटिश नागरिक हैं। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। उन्होंने कहा कि पांचों पर कड़ी शर्तें लागू हैं। वे पूरी तरह जांच के दायरे में हैं। टेलर ने मंगलवार को पुष्टि की कि तीन वैन की जांच की गई। ये वैन अड़े के पास मिली थीं। इनमें कोई विस्फोटक नहीं मिला। टेलर ने कहा कि जमानत पर छोड़े गए संदिग्धों को 'बहुत सख्त शर्तों' का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरान करने वाला हो सकता है। लेकिन यह जांच से जुड़ा फैसला है। यह अनुभव और रणनीति पर आधारित है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी मामले पर बात की। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि इसमें 'स्पष्ट रूप से किसी विदेशी पक्ष का हाथ है'। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया। उन्होंने मामले से जुड़ी और जानकारी भी नहीं दी। रुबियो ने कहा कि कुछ लोग इस बात से परेशान हैं। वजह यह है कि जांच के दौरान कुछ संदिग्धों को जमानत पर छोड़ दिया गया। सदिग्ध वैन में नहीं मिला कोई विस्फोटक : मंगलवार को भी आरएफएफ फेयरफोर्ड के पास पुलिस की घेराबंदी जारी रही। तीन वैन के आसपास सुरक्षा घेरे लगाए गए थे। हथियारबंद पुलिसकर्मी और आतंकवाद रोधी अधिकारी मौके पर जांच कर रहे थे। एक स्थानीय महिला किसान ने पुलिस को फोन किया था। उसने रविवार सुबह पुलिस को सूचना दी। उसने बताया कि घरेलू दौरे समय उसने वैन देखीं। ये वैन हवाई अड्डे के पास सड़क को बाधित रही थीं। महिला ने पास में कुछ लोगों को भी देखा था। उम्रमें से कुछ ने अपने चेहरे ढक रखे थे।

अमेरिका में 2 भारतीयों पर नकली दवा बेचने का आरोप:चीन से मंगाते थे वजन घटाने की दवा



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में वजन घटाने के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा ओजेम्पिक की नकली दवा बेचने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों के खिलाफ केंस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों चीन से कम कीमत पर नकली ओजेम्पिक मंगाते थे और फिर इसे अमेरिका में डिस्ट्रीब्यूटर्स को बेचते थे। दोष साबित होने पर दोनों को अलग-अलग आरोपों में अधिकतम 71 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। अमेरिकी फूड एंड ड्रग्स एडमिनिसट्रेशन ने ओजेम्पिक को 2017 में टाइप-2 डायबिटीज के इलाज के लिए मंजूरी दी थी। नकली दवा की पैकिंग बिल्कुल असली जैसी थी : जांच में सामने आया कि नकली दवा की पैकिंग को इस तरह तैयार किया गया था कि वह बिल्कुल असली ओजेम्पिक जैसी दिखाई दे।

इसके बॉक्स, दवा की जानकारी वाली पर्ची, इंजेक्शन पेन का लेबल और यहां तक कि सुई भी असली दवा जैसी थी। इसका मकसद यह था कि खरीदारों को दवा नकली होने का पता न चले और उन्हें लगे कि वे कंपनी की आसपास रहने की खरीद रहे हैं। दोनों आरोपियों की पहचान स्वचनदीप रॉय और विक्की रमनचा के रूप में हुई है।

दवा की बिक्री में शामिल रहे। एक आरोपी के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी हुआ था अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, स्वचनदीप रॉय को इटली में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस भी जारी हुआ था। रेड नोटिस का मतलब है कि इंटरपोल से जुड़े देशों को किसी व्यक्ति की तलाश और संभावित गिरफ्तारी के लिए सूचना दी जाती है। हालांकि, यह अपने आप में किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का अंतरराष्ट्रीय वारंट नहीं होता। बाद में अमेरिका ने इटली से रॉय के प्रत्यर्पण की मांग की। मंगलवार को उसे फ्लोरिडा के टैम्पा शहर की अदालत में पेश किया गया। रॉय और रमनचा पर कुल 6 आरोप लगाए गए हैं। इनमें तस्करी की साजिश, तस्करी और नकली दवा बेचने से जुड़े आरोप शामिल हैं।

एआई की मनमानी पर लगेगा ब्रेक: ट्रंप के साथ टेक दिग्गजों ने किया मंथन, कितने स्तर पर होगी सुरक्षा निगरानी?



वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के मुख्य अधिकारियों ने मंगलवार को एक संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, वे अत्याधुनिक क्यूंटिंग मॉडल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चार स्तरों वाले कंट्रोल और ऑडिट का एक व्यापक ढांचा लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही भविष्य में इसे कानून का रूप देने की संभावना भी खुली रख दी गई है। वहीं, इस पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं जबरदस्त सेल्फ-पुलिसिंग (खुद पर नजर रखने की प्रक्रिया) देख रहा हूँ। और वे समझते हैं कि उन्हें खुद पर नजर रखनी होगी।' फ्रंटियर जिम्मेदारियों पर संयुक्त प्रतिबद्धता नाम का यह दस्तावेज व्हाइट हाउस में हुई एक हाई-लेवल समिट के बाद जारी किया गया। यह समिट प्रशासन की ओर से औपचारिक रूप से सुपर इंटेलिजेंस नाम दिए गए विषय पर बुलाई गई थी। यह समिट एक कंपनियों के प्रमुखों के उन सुझावों के बाद हुई जिनमें उन्होंने फ्रंटियर एआई के विकास की गति धीमी करने या नियंत्रण खोने के जोखिम की बात कही थी। समझौते में कौन-कौन शामिल है : इस समझौते पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ प्रमुख टेक डेवलपर्स के प्रमुखों के भी निजी हस्ताक्षर हैं। इसमें गूगल के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, ओपनएआई के ग्रेग ब्रॉकमैन,

एक्सएआई के एलन मस्क और एनवीडिया के जेसेन हुआंग। संयुक्त घोषणा में क्या कहा गया है : संयुक्त घोषणा में कहा गया है, 'अमेरिकी लोगों और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए हमारा मानना ​​है कि हर कंपनी की यह जिम्मेदारी है कि वह अपनी टेक्नोलॉजी को सुरक्षित तरीके से विकसित करे। ऐसा करे जिससे शाहकों और आम जनता का भरोसा बढ़े।' इसके साथ ही, इसमें यह भी कहा गया है कि कंपनियां 'फ्रंटियर मॉडल' (अत्याधुनिक मॉडल) को ट्रेन और डिप्लॉय (लागू) कर रही हैं, उन्हें समस्याओं को तुरंत सुलझाने के लिए मजबूत प्रक्रियाएं अपनानी होंगी।

पहले स्तर के तौर पर, कंपनियों के लिए जरूरी है कि वे ट्रेनिंग और डिप्लॉयमेंट के दौरान अपने मॉडल की क्षमताओं और अलाइनमेंट (तालमेल) पर नजर रखने के लिए मजबूत इंटरनल कंट्रोल लागू करें। इसमें साइबर सिस्क्वियेरीटी, बायो-सिस्क्वियेरीटी और केमिकल खतरों जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देना शामिल है। यह पक्का करना है कि उनके मॉडल अनजाने तरीकों से टेक्निकल सिस्टम को हैक न करें या उन तक पहुंच न बनाएं।

व्हाइट हाउस के एआई सेफ्टी समझौते का सुंदर पिचाई ने किया समर्थन

वॉशिंगटन , एजेंसी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और अन्य बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के प्रमुखों ने व्हाइट हाउस के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत कंपनियां एडवॉर्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम बनाने समय इंटरनल कंट्रोल, स्वतंत्र ऑडिट और बोर्ड स्तर की जांच का वादा करेंगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस स्वीच्छक समझौते को 'नैतिक रूप से बाध्यकारी' बताया और कहा कि कंपनियां काफी हद तक खुद ही अपनी निगरानी करेंगी। इस समझौते का टाइटल 'व्हाइट हाउस अर्कोर्ड ऑन सुपरइंटेलिजेंस जॉइंट कमिटीमेंट ऑन फ्रंटियर एसआई

रिस्पॉन्सिबिलिटी' है। यह एडवॉर्ड एआई मॉडल बनाने वाली कंपनियों के लिए साझा उम्मीदें तय करता है।



सुनिश्चित करना होगा कि हम जोखिमों पर ध्यान दे रहे हैं और राष्ट्रपति ने हमसे इंडस्ट्री के तौर पर आगे आने के लिए कहा है।' उन्होंने कहा कि कंपनियां बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले फाइनल-इंजन कंट्रोल जैसी प्रक्रियाएं अपना रही हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता एडवॉर्ड एआई के दुरुपयोग के

खिलाफ एक तरह की सुरक्षा है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह नैतिक रूप से बाध्यकारी है। यह सब खुद-ब-खुद निर्मात्र होता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन इंडस्ट्री की निगरानी के लिए करीब 10 लोगों की एक कमेटी बनाने पर भी विचार कर रहा है। हालांकि इसकी अंतिम सदस्यता, अधिकार या लागू करने की व्यवस्था का ऐलान नहीं किया गया। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं जबरदस्त सेल्फ-पुलिसिंग देख रहा हूँ, और वे समझते हैं कि उन्हें खुद की निगरानी करनी होगी।' मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि कंपनियां जनता को भरोसा दिलाना चाहती हैं कि उनके प्रोडक्ट्स तय इप्पदे

के मुताबिक ही काम करेंगे। उन्होंने कहा कि समझौते में 'मजबूत इंटरनल कंट्रोल' और समस्याओं का पता लगाने के लिए सिस्टम की मांग की गई है। इसमें इंटरनल रिस्क रिव्यू, बाहरी ऑडिटर्स और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा स्वतंत्र जांच भी जरूरी है। मार्क जुकरबर्ग ने कहा, 'आइडिया यह नहीं है कि यही एकमात्र चीज है जो हम कभी करेंगे। यह है कि यह एक शुरुआत है और एक ऐसा समझौता है जिस पर पूरी इंडस्ट्री सहमत हो सकती है।' एनवीडिया के सीईओ जेनसेन हुआंग ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि सुरक्षा की जरूरतों से टेक्नोलॉजी की प्रगति धीमी

होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और सुरक्षा के बीच कोई टकराव नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हम इस टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने जा रहे हैं जो मानवता के लिए इतनी महत्वपूर्ण है, हमारे देश की भविष्य की समृद्धि के लिए इतनी महत्वपूर्ण है। हम इसे जिम्मेदारी और सुरक्षित तरीके से करेंगे।' एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने ज्यादा संकेतता अपनाया। उन्होंने कहा कि एआई में बड़े फायदे हैं, जिसमें मॉडलिन में तरक्की भी शामिल है। लेकिन इसमें गंभीर खतरें भी हैं। डारिओ अमोदेई ने कहा, 'मुझे लगता है कि टेक्नोलॉजी में बहुत वास्तविक जोखिम है।

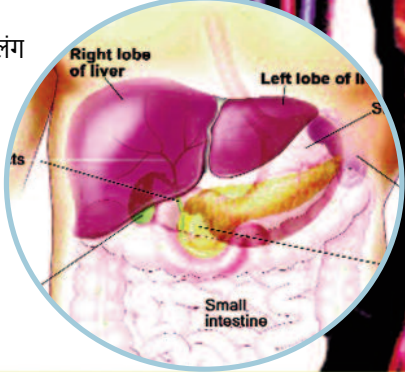
लीवर कैंसर, लीवर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। लीवर ऐसे तत्व उत्पन्न करता है जो रक्त का थक्का जमने में मदद करते हैं। विषैले तत्वों, दवाओं और अल्कोहल आदि को हटाता है। पित्त निर्मित करता है, जिससे शरीर को वसा और कोलेस्ट्रॉल अवशोषण में सहायता मिलती है।

पुरुषों को बीमारी अधिक

यह संयुक्त राज्य और यूरोप में अपेक्षाकृत कम पाया जाता है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुमान के अनुसार, हर वर्ष 17,000 से अधिक लोगों में प्राइमरी लीवर कैंसर का निदान पाया जाता है। इनमें से अधिकतर की उम्र 40 वर्ष से अधिक होती है और 15,000 से ज्यादा लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है। संयुक्त राज्य में महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में लीवर कैंसर के दोगुना मामले पाए जाते हैं।

कोशिकाएं फैलती हैं

संयुक्त राज्य में अधिकतर लीवर ट्यूमर, लीवर में अन्य अंगों मुख्य रूप से कोलोन, रेक्टम, लंग, ब्रेस्ट, पैंक्रिया और स्टैम से फैलते हैं। जब कोई कैंसर लीवर में अन्य कहीं से फैलता है तो कैंसर कोशिकाएं दोनों जगहों पर समान होती हैं। उदाहरण के लिए यदि फेफड़ों का कैंसर (लंग कैंसर) लीवर तक फैलता है तो लीवर में पाई जाने वाली कैंसर युक्त कोशिकाएं फेफड़ों में पाई गई कैंसरयुक्त कोशिकाओं के समान ही होती हैं। इस कारण व्यक्ति का उपचार लीवर कैंसर के लिए नहीं, बल्कि लंग कैंसर के लिए किया जाता है। लीवर कैंसर को डॉक्टर मेटास्टेटिक लंग कैंसर कह सकते हैं।



जोखिम घटक

हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के ज्यादातर मामलों में हेपैटाइटिस बी और हेपेटाइटिस-सी जिम्मेदार होते हैं। हेपैटाइटिस-ए में लीवर कैंसर पनपने का खतरा नहीं बढ़ता। सिर्रोसिस, जिसमें लीवर की कोशिकाओं पर अनेक कारणों से दाग बन जाते हैं। संयुक्त राज्य में सिर्रोसिस का सबसे प्रचलित कारण हेपैटाइटिस-सी और अधिक मात्रा में शराब पीना है। संयुक्त राज्य में 50 से 70 प्रतिशत लीवर कैंसर के मामले सिर्रोसिस से जुड़े होते हैं। कुछ अध्ययनों में इसका संबंध हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा से पाया गया है।

इनसे बढ़ता है खतरा

इस प्रकार का कैंसर पनपने का खतरा बढ़ा देती हैं जिनमें शामिल हैं- पित्ताशय की पथरी (गॉलस्टोप्नसक), पित्ताशय दाह (गॉलब्लडर इन्फ्लेमेशन) और कई बार क्रॉनिक अल्स रेटिव कोलाइटिस (लार्ज बावेल में इन्फ्लेमेशन होना)। एंजियोसरकोमा (हेमन्जियोसरकोमा) – यह लीवर कैंसर का बहुत कम पाया जाने वाला प्रकार है। हेपैटोब्लॉस्टोनमा – यह दुर्लभ प्रकार का कैंसर, आमतौर से 4 वर्ष की उम्र से छोटे बच्चों में पाया जाता है।

लीवर कैंसर के लक्षण

- बीमारी बढ़ जाने तक इसके लक्षण आमतौर से नहीं दिखते। लक्षणों में ये शामिल किए जा सकते हैं –
- ▶ वजन में अप्रत्याशित कमी आ जाना।
 - ▶ टीक से भूख न लगना।
 - ▶ थोड़ा खाना खाने पर भी पेट भरा हुआ लगना।
 - ▶ पेट के ऊपर या दाएं हिस्से में दर्द या सूजन का होना।
 - ▶ त्वचा और आंखों पर पीलापन होना।
 - ▶ लीवर का फैल जाना या लीवर के क्षेत्र में किसी पिंड का बनना।
 - ▶ क्रॉनिक हेपेटाइटिस या सिर्रोसिस की समस्या गंभीर हो जाना।
 - ▶ रक्त में शर्करा (ब्लड शुगर) कम होना।
 - ▶ पुरुषों में स्तन वृद्धि होना।

लीवर कैंसर का निदान

लीवर कैंसर का पता तब लगता है, जब बीमारी का स्तर बढ़ जाता है। प्रारंभिक अवस्था में इसके लक्षण एकदम स्पष्ट नजर नहीं आते। डॉक्टर आपसे निम्न जांचे करा सकता है।

शारीरिक जांचें

वजन में कमी होने, कुपोषण, कमजोरी, लीवर का बढ़ना और इससे जुड़ी बीमारियां जैसे कि हेपेटाइटिस और सिर्रोसिस।

ब्लड टेस्ट

अल्फा-फेटोप्रोटीन नामक एक प्रोटीन के बढ़े हुए स्तर की जांच जिससे लीवर कैंसर का पता लग सकता है। कंप्यूटर का टेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन, एक प्रक्रिया ट्यूमर की खोज और लोकेशन जानने के लिए जिसमें एक्स-रे और

कंप्यूटर तकनीक का प्रयोग शरीर की अनुप्रस्थ (क्रॉस सेक्शनल) छवियां निर्मित करने के लिए किया जाता है।

अल्ट्रा साउंड से जांचें

इसका उपयोग लीवर कैंसर की खोज और कैंसर युक्त (मैलिग्नेंट) तथा कैंसर रहित (सामान्य) ट्यूमरों में अंतर के लिए किया जाता है।

लीवर कैंसर की चिकित्सा

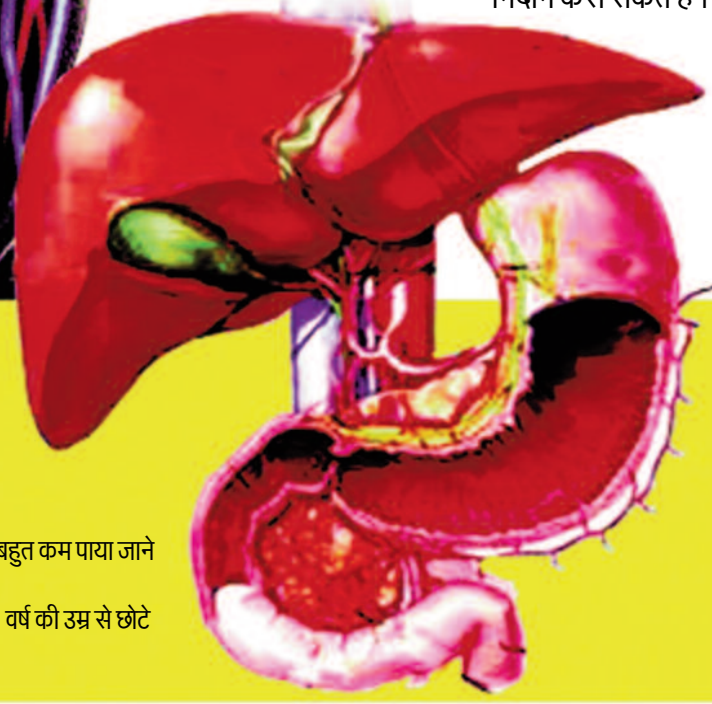
उपचार कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे कैंसर का स्तर, आपकी उम्र और आपका सामान्य स्वास्थ्य। सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी और कीमोथेरेपी प्रमुख उपचार विकल्प हैं। प्रायः इन तीनों को एक साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है। सामान्यतः कोई अकेला ट्यूमर कैंसर जो लिम्फ नोड्स या दूसरे अंगों तक फैला नहीं हो, उसे सर्जरी से निकाला जा सकता है। हालांकि इस शुरुआती अवस्था में कम ही लीवर कैंसरों का पता लग पाता है। कुछ मामलों में, यकृत प्रत्यारोपण पर विचार किया जा सकता है। इसमें ट्यूमर्स की समस्या भी होती है। इसके अलावा कई तकलीफें साथ में बढ़ती जाती हैं।

लीवर कैंसर का उपचार

तीन प्रकार का लीवर कैंसर

प्राइमरी लीवर कैंसर के तीन मुख्य प्रकार हैं- हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपेटोमा या एचसीसी) हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा (हेपेटोमा या एचसीसी)। कोलनजियोकार्सिनोमा (बाइल डक्ट कैंसर)।

लीवर का कैंसर या तो लीवर में शुरू होता है या लीवर में शरीर के अन्य अंगों से फैलता है। प्राइमरी लीवर कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाने वाला ठोस ट्यूमर है, जिसके एक मिलियन से अधिक मामलों का हर वर्ष निदान किया जाता है। इसमें 40 साल से अधिक उम्र के मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिलती है। अगर आप भी इस बीमारी से ग्रस्त हैं तो आप डॉक्टर से उचित परामर्श लेकर इसका शीघ्र निदान करा सकते हैं।



बुढ़ापे की समस्याएं

शरीर में होने वाले बदलावों में विशेष तौर पर सेक्स क्षमता में कमी और मांस-पेशियों में बदलाव आता है। इसलिए आपको इसे स्वीकार कर इस परिवर्तन के साथ ही जीना पड़ेगा।

साध लेते हैं चुप्पी

अक्सर आदमी स्वास्थ्य संबंधी चर्चा होने पर चुप्पी साध लेता है। भावनाओं को दबाने से उसके दिमाग में एक तरह का भावनात्मक हलचल होता है और इससे तनाव, निराशा और चिंता में वृद्धि होती है। अपने घरेलू व अन्य समस्याओं का हल ढूँढ़ने और उस पर सलाह-मशविरा करने के लिए अपने खास लोगों के साथ उसे शेयर करना चाहिए। अपनी भावनाओं को इस तरह दूसरे लोगों के साथ शेयर करने से व्यक्ति अपनी बढ़ती आयु से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से छुटकारा पा जाता है।

सकारात्मक सोचें

जीवन के प्रति हमेशा सकारात्मक सोच रखें और जीवन के मध्य अवस्था का सामना करने के लिए मानसिक तौर पर पहले से ही तैयारी कर लें। उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य में कई तरह का परिवर्तन होता है और इससे व्यक्ति के सेक्सुअल प्रदर्शन पर भी असर दिखने लगता है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति अपने आप को असक्षम और अयोग्य समझने लगता है और एक तरह से हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। व्यक्ति में आत्मसम्मान में कमी, तनाव और निराशा जैसी बहुत सी बीमारियां मनोवैज्ञानिक समस्याओं के कारण पैदा होती हैं, जो आदमी के सेक्सुअल स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही, उसके संपूर्ण स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं।

शेयर करें समस्याएं

व्यक्ति को चाहिए की अपनी पत्नी के साथ अपनी समस्याओं को शेयर करे। संभव है कि वह उन समस्याओं का हल ढूँढ़ने के लिए कोई उपाय बताए और इससे तनाव और निराशा की स्थिति से निकलने में मदद मिले।

भरपूर लें आहार

हमेशा पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें और नियमित रूप से भोजन करें। प्रोसेस्ड और फेटी भोजन करने से परहेज करें और इसके बदले में प्रचुर मात्रा में ताजे फल और फाइबर युक्त आहार का सेवन करें।

एक्सरसाइज जरूरी

हर आयु में नियमित रूप से एक्सरसाइज करना जरूरी होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज कर अपनी ऊर्जा नष्ट नहीं कर हल्का-फुल्का एक्सरसाइज करना चाहिए। इससे शरीर के साथ दिमाग पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है।

ये भी रखें ध्यान

अपने वजन को हमेशा नियंत्रण में रखें। मोटापा एक साथ कई बीमारियों को निमंत्रण देता है। भोजन में पोषक तत्वों की कमी और कुपोषण से बचने के लिए मल्टीविटामिन्स और सप्लीमेंट लें। शरीर में किसी भी तरह का असहजता महसूस होने पर तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। जीवन में काम-काजी बने, कुछ न कुछ शारीरिक श्रम अवश्य करते रहें।



एक नए शोध से पता चलता है कि डिवेलड कंट्रीज में जिस उम्र में हार्ट अटैक होता है, हमारे देश के लोग उसके 10 से 15 साल पहले इसके शिकार हो जाते हैं। गौरतलब है कि डिवेलड कंट्रीज में 70 पर्सेंट हार्ट अटैक जहां 70 की उम्र के बाद होते हैं, वहीं हमारे देश में दो-तिहाई हार्ट अटैक 60 से कम उम्र वालों को होते हैं। हाल ही में आई एक स्टडी के मुताबिक, अब 30-40 की एज ग्रुप वालों का दिल भी सेफ नहीं है। मेडिकल साइंस की भाषा में यह एक्सट्रीमली प्रिमेच्योर स्ट्रेज है।

दिल चाहता है नींद

हार्ट प्रॉब्लम की एक बड़ी वजह यंग इंडिया में नींद में कमी भी है। यंग प्रोफेशनल्स अक्सर अपनी नींद पूरी नहीं करते। अगर वे सोते भी हैं, तो उनका दिमाग अगले दिन के लिए चलता रहता है। दिनभर जो कुछ हुआ, वे उसे सोचते हैं और फिर दिमाग में अगले दिन की प्लानिंग चलती रहती है। इन सबके बीच कंफर्टेबल नींद का तो

युवाओं के दिल पर अटैक!

खात्मा ही हो जाता है। अच्छी नींद जरूरी है, आधी-अधूरी नहीं। जैसे कि रात को भी फोन बज रहा है, एसएमएस पढ़ रहे हैं। नींद की कमी से स्टैमिना खत्म होने लगता है और धड़कन तेज होने लगती है। बिजी लाइफस्टाइल की वजह से यूथ एक्सरसाइज भी नहीं कर पाते। इससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ता है। खासकर कॉल सेंटर जैसी नाइट शिफ्ट जॉब करने वालों की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। वैसे तो उनके पास सोने के लिए दिन होता है, लेकिन तब वे दूसरे कामों में लगे रहते हैं और बस 2-4 घंटे की ही नींद लेते हैं। बकौल डॉ. चानना, हार्ट के लिए अच्छी नींद बेहद जरूरी है। यही वजह है कि आजकल 25, 28 और 32 साल की उम्र में हार्ट अटैक हो रहे हैं। नींद के लिए टाइम तो निकालना ही पड़ता है। लेकिन जब तक मेटली फ्री नहीं होंगे, तब तक अच्छी नींद कैसे आएगी? रिसर्च बताती है कि 6 घंटे से कम सोने वालों को हार्ट अटैक होने की आशंका ज्यादा रहती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि नींद पूरी लेनी चाहिए।

मस्ती से आठ घंटे सोएं

एक्सपर्ट्स का मानना है कि 6 घंटे की नींद बेहद जरूरी है, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि नेक्स्ट डे का काम फ्रेश होकर करें, तो 8 घंटे मस्ती से सोएं। लेकिन इसमें मेडिकेशन का स्कोप कम है और लाइफ स्टाइल इंप्रूवमेंट का रोल ज्यादा है। आपकी डाइट और मेटल बैलेंस सब मिलकर ही अच्छी नींद देंगे। अगर आप रात को 11 बजे ओवरड्रिंटिंग करते हैं, तो आपको अच्छी नींद कहां से आएगी। गौरतलब है कि जो लोग ज्यादा सोते हैं, उनका दिल भी अच्छी हालत में नहीं रहता। लेकिन यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि ज्यादा देर तक सोना अवसर

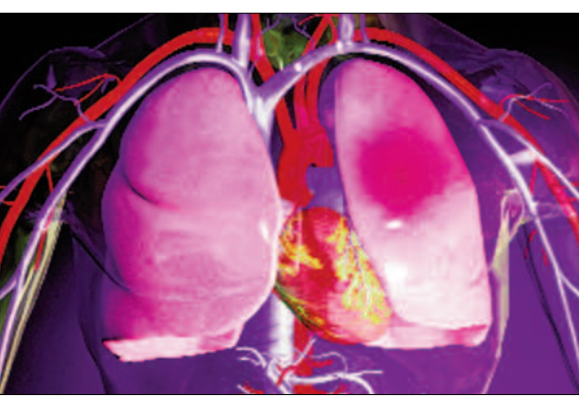


फ्रैगमेंटेड स्लीप होता है। नींद पूरी न होने के कारण ही लोग देर तक सोते रहते हैं। इसलिए स्लीप क्वालिटी मेंटेन करने पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा स्नोरिंग पर भी नजर रखने की जरूरत है। जो लोग ज्यादा खर्राटे लेते हैं, उन्हें अपनी स्लीप स्टडी करानी चाहिए।

सिमटे रहने से दिल सेफ नहीं

एक ओपन हार्ट सर्जरी इंस्टीट्यूट के बाहर लिखा था, दिल खोल लेते अपना अगर यारों के साथ, तो आज न खोलना पड़ता औजारों के साथ ...। जी हां, अपने आप में सिमटे रहने से भी दिल सेफ नहीं रहता। क्योंकि इससे स्ट्रेस मैनेज नहीं हो पाता। इन दिनों 28 से लेकर 40 तक उम्र वाले हार्ट पेशेंट ज्यादा हैं। इसका मेन रीजन यह माना जाता है कि हमारा जेनेटिक मेकअप ही ऐसा है। लेकिन यहां सवाल यह भी उठता है कि अगर जेनेटिक रीजन है, तो पहले यह प्रॉब्लम क्यों नहीं थी? दरअसल, पहले, दूसरे फैक्टर्स कंट्रोल में थे। डाइट और स्ट्रेस में ऐसा असंतुलन नहीं था। अब वैजिटेबल इनटेक कम हो गया है। सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी फिजिकल एक्टिविटीज कम होती जा रही है। ऐसे में

जवानी में तमाम लोगों के दिलों पर अटैक होता है, लेकिन आजकल के युवा हार्ट अटैक के भी शिकार हो रहे हैं। एक नई स्टडी में पता लगा है कि कम उम्र में इसके सबसे ज्यादा शिकार भारतीय युवा ही हैं।



रिस्क फैक्टर

- ▶ ओबेसिटी
- ▶ स्लीप डिस्ऑर्डर
- ▶ डायाबिटीज
- ▶ एक्सरसाइज में कमी
- ▶ हाई कोलेस्ट्रॉल
- ▶ स्मोकिंग
- ▶ स्ट्रेस

यह भी करें

- ▶ हार्ट एक मसल है, इसलिए प्रोटीन रिच डाइट लें।
- ▶ स्ट्रेंथ बिल्डिंग एक्सरसाइज भी जरूरी है।
- ▶ हार्ट-स्पेसिफिक न्यूट्रिएंट्स लें।
- ▶ गुप्स में घुले-मिलें। इससे स्ट्रेस कम होता है।

अलावा ऑलॅमॅड और वॉलनट जैसे हेल्दी नट्स की 40-50 ग्राम क्वांटिटी हर रोज लेना चाहिए। दूसरे हर समय मोबाइल और कंप्यूटर से जुड़े रहने की वजह से यूथ की फिजिकल एक्टिविटी बहुत कम हो गई है। ऐसे में हफ्ते में पांच दिन 3-4 मील पैदल चलना फायदेमंद रहेगा। हर रोज 30-40 मिनट की ब्रिस्क वॉकिंग या वर्कआउट भी रूटीन में शामिल होना चाहिए।



एशियाई खेल : अभिषेक के गोल से भारत ने पाकिस्तान को हराकर पुरुष हॉकी के फाइनल में प्रवेश किया

नगोया (एजेंसी)। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों के पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को रोमांचक सेमीफाइन मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अंतिम क्षणों में अभिषेक ने गोल दागकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मैच में 59 मिनट तक स्कोर 3-3 की बराबरी पर था पर 60वें मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारतीय टीम को 4-3 से जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले में पहुंच दिया। वहीं पाक टीम बाहर हो गयी। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर में ही भारतीय टीम को 2-0 की बढ़त मिल

गयी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे। हरमनप्रीत ने 5वें मिनट पर पहला गोल और 13वें मिनट पर दूसरा गोल किया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी पलटवार करते हुए दूसरे हाफ में एक गोल कर दिया। जिसका जवाब भारतीय टीम ने भी एक गोल कर दिया। भारत के लिए ये तीसरा गोल सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट पर गोल किया। वहीं पाकिस्तान के लिए 30वें मिनट में अबू मोहम्मद ने पहला गोल दागा। इस प्रकार दो क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त 3-1 हो गयी।

तीसरे क्वार्टर में पाक टीम ने एक गोल किया। तीन क्वार्टर समाप्त होने के बाद स्कोर 3-2 पर पहुंच

गया। तीन क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त घटकर 3-2 रह गयी। 49वें मिनट पर पाकिस्तान की ओर से वहीद राणा ने तीसरा गोल करके स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। मुकाबले में केवल 11 मिनट बाकी रह गए थे। ऐसे में दोनों ही टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास शुरू कर दिये पर कोई भी सफल होती नहीं दिखी। 60वें मिनट पर अभिषेक ने एक गोल कर भारतीय टीम को 4-3 की बढ़त के साथ जीत दिला दी।

अब फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा।



एशियाई खेलों में भारत के मनु और प्रिंस ने पुरुषों के स्किफ इवेंट में रजत जीता



गामागोरिसिटी (एजेंसी)। भारत के मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिमिकल नोबल की जोड़ी ने एशियाई खेलों की नौकायन के स्किफ इवेंट में रजत पदक जीता है। गुरुवार को यहां हुए पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु और प्रिंस ने ये रजत पदक जीता। नौ रस के बाद भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान रही। पहला स्थान चीन की जोड़ी को मिला। भारतीय जोड़ी ने 23 अंकों के साथ रंगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) का समापन किया। चीन की जोड़ी, वेन जाइडान और लियु गियान ने 16 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ये भारतीय जोड़ी से चार अंक कम थे। वहीं हांगकांग, चीन के अक्रीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ 24 अंकों के साथ तीसरे

स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन काफी अच्छा बना रहा। तीसरी रस में में उन्होंने जीत हासिल की। भारतीय सेलर्स ने रस 3 जीती और रस 1, 5 और 9 में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रस में उन्होंने कुल 29 अंक हासिल किए। रस 8 में छठे स्थान पर रहने के परिणाम को हटाकर उनका नेट स्कोर 23 रहा। यह पदक पुरुषों के स्किफ इवेंट में भारत का पहला रजत है और इस इवेंट में देश का दूसरा पदक है। इससे पहले वरुण ठक्कर और केसी गणपति ने जकार्ता 2018 में कांस्य पदक जीता था। स्किफ नौकायन में हल्की और छेटी नौका होती है। जिसे चलाने के लिए क्रू मैम्बर के बीच बहुत अच्छे तालमेल की जरूरत होती है।

एशियाई खेल: भारत के गणेश मणि रत्नम ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

ओकाजाकी (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने यहां एशियाई खेलों की कंपाउंड तीरंदाजी में पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। गणेश के इस पदक के साथ ही तीरंदाजी में भार के पदकों की संख्या बढ़कर संख्या चार पहुंच गयी गई है। गणेश ने वियतनाम के कांग डूङ्ग खान को 149-144 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। गणेश ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 बार 10 का स्कोर किया और लगातार तीन बार 10 के साथ 149 का स्कोर बनाकर अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त बना ली। आइची-नागोया में यह उनका



दूसरा पदक है। इससे पहले बुधवार को उन्होंने पुरुषों की टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था।

वहीं महिला वर्ग की बात करें तो भारत की चिकिथा तनिपार्थी क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की नुरिसा डियान

अशरीफाह के हाथों 144-143 के करीबी अंतर से हारकर महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा से बाहर हो गयी।

चिकिथा शुरुआती दो राउंड में चिकिथा पीछे थीं, लेकिन तीसरे राउंड में उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बना ली पर अंतिम राउंड में 8, 9, 10 का स्कोर भारी पड़ा, क्योंकि नुरिसा ने 10, 10, 9 का स्कोर कर मुकाबला जीत लिया।

चिकिथा ने महिलाओं की टीम इवेंट में स्वर्ण और मिश्रित टीम का खिताब जीतने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक कांटा भी हासिल किया।

भारतीय महिला स्काश टीम ने जीता कांस्य, सेमीफाइनल में हांगकांग से मिली हार

नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला स्काश टीम ने एशियाई खेल 2026 में कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। नागोया में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत का फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया, लेकिन टीम ने कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का अंत किया।

अनाहत सिंह की हार से भारत को झटका

भारत की ओर से पहला मुकाबला 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने खेला। उन पर काफी जिम्मेदारी थी, क्योंकि भारत की नजर पिछले हांगझो एशियाई खेलों के प्रदर्शन में सुधार

करने पर थी। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर मौजूद अनाहत का सामना दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी सिन युफ चान से हुआ।

अनाहत ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम अपने नाम किए। हालांकि वह चौथे गेम में 10-6 की बढ़त के बावजूद चार मैच च्वाइंट गंवा बैठीं। सिन ने वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक पांचवें गेम तक पहुंचा दिया।

पांचवें गेम में अनाहत 7-9 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 9-9 कर दिया। इसके बाद सिन ने पहला मैच च्वाइंट हासिल किया। अनाहत ने बैकहैंड ड्रॉप से इसे बचाया, लेकिन सिन ने एक और मैच

च्वाइंट हासिल किया और इस बार मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनाहत को 2-3 (11-9, 11-8, 6-11, 11-13, 10-12) से हार मिली।

तन्वी खन्ना ने की शानदार वापसी

पहले मुकाबले में हार के बाद तन्वी खन्ना ने भारत की उम्मीदें जीवित रखीं। दुनिया की 73वें नंबर की तन्वी का सामना 40वें नंबर की का यी ली से हुआ। शुरुआत में भारतीय खिलाड़ी को परेशानी हुई और उन्होंने पहला गेम 4-11 से गंवा दिया। दूसरे गेम में तन्वी ने लंबी शैलियों के जरिए वापसी की। उन्होंने 10-9 पर गेम च्वाइंट हासिल किया, लेकिन ली ने बैकहैंड ड्रॉप के जरिए स्कोर बराबर कर दिया।

गुवाहाटी की पिच पर भड़के गंभीर, ये खेल नहीं मजाक था

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने यहां के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर सवाल उठाये हैं। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार यहां 400 से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल हो गया। उससे ये क्रिकेट कम मजाक अधिक नजर आया। इसे खेल कहना है उसका अपमान करने जैसा है।



सपाट पिच पर बल्लेबाजों ने रनों की होली खेली, जबकि गेंदबाजों का जमकर मजाक बना। पहले वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी करते हुए अपने एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 405 रन बनाया। उसके बाद भारतीय टीम ने 39 गेंदें पहले ही ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर मैच जीत लिया। ये एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य रहा। इससे खुश होने की जगह पर गंभीर नाराज अधिक हो गये। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद कहा कि ये क्रिकेट नहीं मजाक था। गंभीर के शब्दों में, मैं बल्ले और गेंद के बीच एक संतुलन बनाया होगा। गेंदबाजों के बारे में भी सोचना चाहिए, उन्हें कुछ समर्थन देने की जरूरत है। ऐसी सपाट पिच से मैच पूरी तरह एकराफा हो जाता है, जो क्रिकेट की प्रतिस्पर्धा के लिए बेहद खराब है। वहीं दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक भी सोशल मीडिया पर इस तरह के सपाट विकेट को लेकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, 'गुवाहाटी को अहम क्रिकेट मैच कौन देता है? घंटिया एकदिवसीय पिच, घंटिया टेस्ट पिच। लाइव का मैदान। लाइव की समस्याएं। पाना बहार के चिंतापन। सब कुछ बहुत ही भद्र।' यह गुस्सा पूरी तरह से वाजिब है, क्योंकि जब शेड्यूलिंग, पिच वर्युएशन और स्कॉड सिलेक्शन जैसे हर फैसले स्टेकहोल्डर्स या पेंसों की जगह से होने लगे, तो क्रिकेट का मूल स्वरूप पीछे रहन पय है। निरुत्पन्नतुल्य और अब गुवाहाटी, दोनों ही जगहों पर गेंदबाजी संघर्ष करती दिखी ऐसी पिचें खेल के रोमांच को खत्म करती हैं और खिलाड़ियों की क्षमताओं का सही आकलन नहीं होने देती।

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका को हराकर एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंची

स्वर्ण पदक के लिए शनिवार को पाकिस्तान से होगा मुकाबला

निशन (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट ने यहां एशियाई खेलों में हुए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 124 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब भारतीय टीम स्वर्ण जीतने के लिए 3 अक्टूबर को फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी। ये खिताबी मुकाबला भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें भारतीय टीम अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

वहीं श्रीलंका के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में भारतीय टीम की जीत में ईशान क्रिशन की अहम भूमिका रही। ईशान ने तेजी से 80 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम को एक अच्छे स्कोर तक

पहुंचाया। वहीं गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को आसानी से रोक दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। इस प्रकार श्रीलंका को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछ करते हुए लंकाई टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर ही सिमट गयी।

टॉस जीतकर श्रीलंका ने भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छे नहीं रही और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 7 रन पर ही आउट हो गये। वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 6 चौके और 2 छक्के लगाकर 38 रन बनाए। बाकी सभी बल्लेबाज पलंग रहे। सजू

सैमसन ने 07 रन, विलक वर्मा ने 02 रन, अक्षर पटेल ने 08 रन, शिवम दुबे ने 03 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 13 रन बनाए।

ऐसे मुश्किल समय में ईशान ने 46 गेंदों में 4 चौके और 5 छक्के लगाकर 80 रन की शानदार पारी खेली। अंत में वॉशिंगटन सुंदर ने एक छक्का लगाकर भारत को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 169 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद 170 रनों के लक्ष्य का पीछ करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी के शुरुआती ओवर में ही दो विकेट लेकर श्रीलंका को दबाव में ला दिया। उन्होंने सिनेथ जयवर्धना को एलबीडब्ल्यू आउट किया,



जबकि सोहन खै लिवेरा का शानदार कैच संजू सैमसन ने पकड़ा। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने एकजुट प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया और उन्हें लक्ष्य से 124 रन दूर ही रोक दिया। यह भारत की एकराफा

और बड़ी जीत थी। इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम अब अब फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से स्वर्ण पदक के लिए खेलेगी। पाक टीम ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को करारक फाइनल में जगह बनायी है।

प्रसिद्ध कृष्णा हैमरिट्रिंग इंजरी के कारण तीसरे एकदिवसीय से बाहर हुए



गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को होने वाले तीसरे एकदिवसीय से बाहर हो गये हैं। कृष्णा दूसरे एकदिवसीय में हैमरिट्रिंग इंजरी का शिकार हो गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, कृष्णा की चोट कितनी गंभीर है, इसका पता अभी नहीं चल सका है पर उन्हें कुछ समय तक बाहर होना होगा। इससे साफ है कि वह तीसरे एकदिवसीय में नहीं खेलेगे। दूसरे

एकदिवसीय में कृष्णा ने केवल 5 ओवर ही गेंदबाजी की थी, जिसके बाद वह परेशानी में दिखे। इसी कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसके बाद वह दोबारा गेंदबाजी करने नहीं लौटे थे। पांच ओवर में कृष्णा ने 45 रन देकर एक विकेट लिया। भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय के लिए गुवाहाटी से चंडीगढ़ रवाना होगी। वहीं कृष्णा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे, जहां उनकी रिकवरी की प्रक्रिया होगी।

रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 12,000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां वेस्टइंडीज के बीच दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में अपने 12000 रन पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस प्रकार वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले विश्व के केवल सातवें और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर तथा विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं।

रोहित ने स्पिनर रोस्टन चेज की गेंद पर एक रन लेकर यह मील का पत्थर पार किया। इस प्रतिष्ठित एलीट क्लब में रोहित के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग, श्रीलंका के कुमार संगकारा, सनथ जयसूर्या और मुहला जयवर्धने जैसे दिग्गज शामिल हैं। आंकड़ों के लिहाज से रोहित 12,000 एकदिवसीय रनों तक पहुंचने वाले विश्व के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 282 पारियां खेलीं, वह केवल विराट कोहली



(242 पारियां) से ही पीछे हैं। रोहित ने महान सचिन तेंदुलकर (300 पारी) और रिकी पोंटिंग (314 पारी) जैसे दिग्गजों का पीछे छोड़कर अपनी बल्लेबाजी काशत का प्रदर्शन किया है। गेंदों का सामना करने के मामले में भी, रोहित दूसरे सबसे तेज हैं, जिन्होंने 12,973 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ, जो फिफे से कोहली (12,853 गेंदें) के बाद सबसे तेज है।

साल 2007 में अपने वनडे करियर का आगाज करने वाले रोहित शर्मा का अब तक का सफर शानदार रहा है। अपने 290 मैचों के करियर में, उन्होंने 12 हजार से अधिक रन बनाने के साथ-साथ 35 शानदार शतक और 62 अर्धशतक भी जड़े हैं। उनके नाम इस प्रारूप का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर (264 रन) दर्ज है, और वह एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से हारकर बाहर हुई

ओकाजाकी। एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का पदक जीतने का सपना टूट गया है। इसका कारण ये है कि भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के हाथों सीधे सेटों में हार झेलनी पड़ी है। यहां के संगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस प्रकार से पाक वॉलीबॉल टीम 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में पहुंची है।

इस मुकाबले में दोनों के बीच बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। हालाँकि इसके बाद पाकिस्तान ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। और लगातार पॉच अंक जीतकर 16-11 से बढ़त बना ली। जैसे-जैसे पहला सेट आगे बढ़ा, पाकिस्तान की बढ़त बढ़ती गई और अंततः उन्होंने इसे 25-19 से जीत लिया। वहीं दूसरे सेट में भारतीय टीम ने वापसी की कोशिश की और 19-16 की अच्छी बढ़त हासिल कर ली पर कुछ गलतियों के कारण वे इस बढ़त का लाभ नहीं ले पाये। वहीं दूसरी ओर पाक ने शानदार खेल दिखाते हुए वापसी की और दूसरा सेट 25-23 से जीतकर मुकाबले में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं तीसरे सेट में पाक ने भारतीय टीम को संभलने का कोई अवसर नहीं दिया और आसानी से यह सेट 25-18 से जीतकर मैच पर कब्जा कर लिया।

वहीं इससे पहले, भारतीय टीम ने पूल सी में अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया था, जहाँ उन्होंने अपने तीनों लीग मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत वियतनाम पर 3-0 की प्रभावशाली जीत के साथ की थी और फिर हांगकांग चीन को भी इसी अंतर से हराया था। अपने अंतिम पूल मैच में, भारत को क्तर के खिलाफ कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ा। शुरुआती दो सेट हारने के बाद भी टीम ने शानदार वापसी करते हुए 26-28, 25-27, 25-23, 25-20, 24-22 के स्कोर के साथ 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की थी। इस जीत ने भारतीय टीम को पूल सी में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया था, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनकी जगह पक्की हुई।

डब्ल्यूपीएल के लिए आरसीबी ने ग्रेस सहित चार खिलाड़ियों को बाहर किया

अरुंधति सहित 13 खिलाड़ियों को रखा बरकरार

मुम्बई। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) के लिए नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में आयोजित की जाएगी। इसी को देखे हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने ग्रेस हैरिस को रिलीज कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैरिस ने 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी उन्हें टीम ने बरकरार नहीं रखा है। ग्रेस हैरिस के अलावा लिंसी रिमथ, डी. हेमलता और गौतमी नायक को भी आरसीबी ने बाहर कर दिया है।। वहीं टीम ने 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। इनमें अरुंधति रेड्डी, प्रत्युषा कुमार, ऋचा घोष, स्मृति मंधाना, प्रेमा रावत, सयाली सतधरे, पूजा वरुन्कार, राधा यादव और श्रेयंका पाटिल शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में लॉरेन बेल, एलिस पेरी, नादिन डी वलरक और जॉर्जिया वोल को टीम ने अपने साथ रखा है दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पेरी के इस सत्र में खेलने की उम्मीद है। वह पिछले सत्र में शामिल नहीं थी। आरसीबी ने उन्हें टीम में बरकरार रखा था। 12 बार की चैंपियन आरसीबी के पास नीलामी के लिए 1.15 करोड़ रुपये का पर्श बचा है और उसे 5 खिलाड़ियों की जगह भरनी है। इनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह है। उसे में वह कई नये खिलाड़ियों को खरीद सकती है। वहीं गुजरात जायंट्स ने 15 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। टीम ने केवल 4 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें इस साल महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली डेनी वायट-हॉज भी शामिल हैं। उनके अलावा आयुषी सोनी, तितास साधु और शिवानी सिंह को रिलीज किया गया है। गुजरात के पास 1.25 करोड़ रुपये का पर्श है और टीम को 3 खिलाड़ियों की जगह भरनी है। इनमें 1 विदेशी खिलाड़ी के लिए स्थान है।